



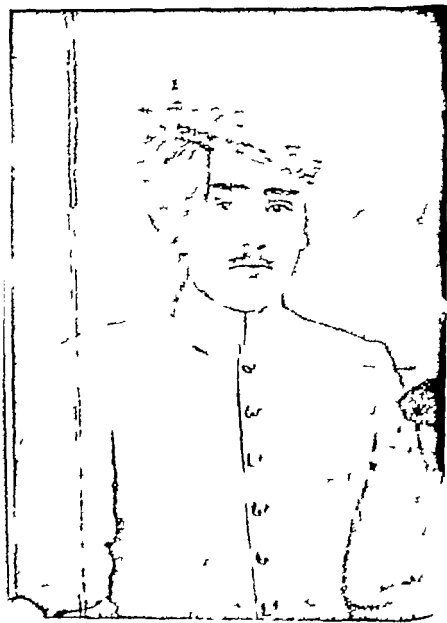
# कलायण

जर्ज राय

वान्नाम मंगला

५१८  
श्रीगुरुदेव मङ्गलार्चनम्  
श्रीगुरुदेव मङ्गलार्चनम्  
श्रीगुरुदेव





## समर्पण

धीमान वरम माननीय गटाइ इन्-मणि  
शु-गुण-मणिरु द्रवा प्रियगौबन्यह-मूर्ति  
बंछानर गवग मरागाइकुमार  
अज्ञान धी समगिह श्री वरादूर  
दशगाराधीगुरे दशमनामै  
गरिबप मादर

ममर्पित



करसी	जनता	अमर	जस	जीबूष	मर	मुखगान
बरा	बंगल	सोपकर	हीनो	हरसण	दान	
दीमो	हरसण	दान	गांध	अलू	हरप्रामो	
गदगद	आषो	जीब	सिटी-मुज	सुख	मुपत्रामो	
शष्प	पण्याबलि	दास	अमर	कर-कमला	बरसी	
नरण	चाकरी	करत	बयो	पुर	आयब	करसी





जीवन का बेसा संरिक्त बर्णन इस छोटी सी रचना में १५  
बेसा अम्यत्र देखने में नहीं आया ।

कलापय का अर्थ है काली घटा, पर कलापय राज्य में जो  
राज्य है उसे अनुवाद करके नहीं बताया जा सकता यह अनुवाद  
ही की जा सकती है ।

वैसे तो बर्णन समस्त भारत की अनेक महत्त्वपूर्ण श्रुति है परन्तु  
राजस्थान के लिए उसका जो महत्त्व है वह तो अविशनीय है ।  
राजस्थान का तो वह जीवन ही है । अथवा राजस्थानी का बर्णन से  
अमृतपूष मेरवा पता है अथवा बर्णन का बर्णन करते समय उसका  
हृदय उसके साथ पूर्ण-रूपेण विलीन हो जाता है ।

कलापय राज्य में कलापय की जीवन-कथा है और साव-सी-  
साव राजस्थान की प्रामाण्य जनता की जीवन-कथा भी । दोनों अनेक  
दूसरी से इस प्रकार जुड़ी हुई हैं कि एकको अलग करके नहीं देखा  
जा सकता । कलापय की कथा करते हुए कवि को जनता की जीवन-  
कथा भी कहनी पड़ी है—उसके बिना कलापय की कथा मजा पूरी  
ही कैसे होती ?

कलापय की कथा के प्रसंग से कवि बर्णन को ही नहीं बर्णन  
की कथा कह गया है । कलापय के राज्य के प्रसंग में कवि ने प्रीत्य  
का चित्रांश दिया है और कलापय के राज्य-स्वरूप होने वाले  
आपारो अथवा आनंदों के प्रसंग में शरद, शिथिल और वसन्त का ।  
इस प्रकार इस कव्य में कवि ने देशाट की बारह मासों की चित्रांश  
कोरक-पूषक अंकित की है ।

कलायण सबसे कम में प्राविहीन रहता है। राजस्थानी साहित्य में वह सम्मान का स्थान प्राप्त करेगी यह तो निश्चिन्त है। कवि नवयुवक है और यह उसका प्रथम प्रयास है। भविष्य के लिए इससे बहुत आशाओं हैं।

सबसे हर्ष की बात यह है कि कवि समाज के इस स्तर से संबन्ध रखता है जिसे साधारणतया निम्न कहा जाता है। प्रथमा पर किसी व्यक्ति-विशेष का अक्षयिभार नहीं होता। राजस्थानी साहित्य की इन तथा कथा-कथित निम्न स्तर के कवियों ने जो चीजें दी हैं वे निताम्न कमूय हैं। तेरी पद्म का व्याख्या और काती रचना का माहेरा आज जन-जन की जिह्वा पर नाचते हैं। संस्कार नानूराम का यह कलायण काव्य भी राजस्थानी साहित्य की एक अमर परत सिद्ध होगी।

राशि-आधम  
बीधनेर  
आलापीन, सं० २००४

नरोधमदास स्वामी



## प्रस्तावना

राजरमानी के साहित्य-मन्दिर में कलापिण के कवि का स्वागत करते हुये मुझे अत्यन्त हर्ष होता है। राजरमानी-साहित्याकार का यह मजबूत मनुष्य अपनी मधुरिम और उज्ज्वल आभा से काव्य-प्रदेश को आलोकित करने में समर्थ होगा।

भारतीय कवियों को प्रकृति ने सर्वत्र सुगंध दिये रखा है। भारत है भी प्रकृति के माता-रंगी विविध रूपों का मय-पूरुष भण्डार। भारतीय साहित्य में प्रकृति के सभी रूपों का भाव पूर्ण और सजीव चित्रण हुआ है। वैदिक-काशीम तथा के पितृ विरह के साहित्य में वे जोड़ हैं। आदि-कवि ने प्रकृति का जो हृदय-स्पर्शी और मनोरम वर्णन किया है वह आदि-कवि के गौरव के अनुरूप ही है। कालिदास का अटु-संदार तो विरह-विधित है ही अपने नाटकों और काव्यों में श्री कवि ने प्रकृति को प्रमुख स्थान दिया है। भारत की विविध भाषाओं में प्रकृति का वर्णन करनेवाली ओक-से-ओक अनूठी कृतियाँ मिलेंगी। प्राचीन राजरमानी और प्राचीन गुजराती का बखत-विलास काव्य ओक भावुक कवि-हृदय से निकली हुई अत्यन्त मनो-हारिणी रस से सराबोर काव्य-रचना है।

कलापिण भी ओक मनोरम प्रकृति-काव्य है। प्रकृति और मानव-

जीवन का जैसा संरिक्त वर्णन इस छोटी सी रचना में हुआ है  
जैसा अन्यत्र देखने में नहीं आया ।

कल्याण का अर्थ है कबी पदा, पर कल्याण राज्य में जो  
बहुता है उसे अनुवाद करके नहीं बताया जा सकता वह अनुभव  
ही की जा सकती है ।

जैसे तो वर्षा समस्त भारत की एक महत्वपूर्ण अंतु है परन्तु  
राजस्थान के लिए उसका जो महत्व है वह तो अवरुणीय है ।  
राजस्थान का तो वह जीवन ही है । प्रत्येक राजस्थानी कवि वर्षा से  
अमृतपूष प्रेरणा पाता है जब वर्षा का प्रणन करते समय उसका  
हृदय उसके साम प्रूर्ण-रूपेण उषाकर हो जाता है ।

कल्याण काव्य में कल्याण की जीवन-कथा है और साथ-ही  
साथ राजस्थान की ग्रामीण जनता की जीवन-कथा भी । दोनों अके-  
दूसरी से इस प्रकार जुड़ी हुई हैं कि उनको अलग करके नहीं देखा  
जा सकता । कल्याण की कथा कहते हुए कवि को जनता की जीवन-  
कथा भी कहनी पड़ी है—इसके बिना कल्याण की कथा सत्ता पूरी  
ही कैसे होती ?

कल्याण की कथा के प्रसंग से कवि वर्षा को ही नहीं वर्ष भर  
की कथा कह गया है । कल्याण के काव्य के प्रसंग में कवि ने धीमे  
का चित्रावण किया है और कल्याण के फल-स्वरूप होने वाले  
म्यपारों के अर्थ ज्ञानकों के प्रसंग में शरद, शिशिर और वसन्त का ।  
इस प्रकार इस काव्य में कवि ने देहात की बारह मसों की चित्रावली  
औरत-पूष का अंकित की है ।

कलायण सच्चे अर्थ में प्राविहीन रहना है। राजस्थानी साहित्य में यह सम्मान का स्थान प्राप्त करेगी यह तो निःसंदिग्ध है। कवि नवयुवक है और यह उसका प्रथम प्रयास है। मधिर के लिए इसमें बहुत आशा है।

सबसे हर्ष की बात यह है कि कवि समाज के इस स्तर से संभव रहता है जिसे साधारणतया निम्न कहा जाता है। प्रतिभा पर किसी जाति-विरोध का प्रभावितार नहीं होता। राजस्थानी साहित्य को इन तथा कथा-कथित निम्न स्तर के कवियों ने ओ पीछे ही है वे निराश्रय अमूल्य हैं। तेसी पदम का व्याख्या और काती रहना का माहिर आज जन-जन की जिह्वा पर नाचत है। संस्कृत मन्मूराम का यह कलायण काव्य भी राजस्थानी साहित्य की ओर अमर पानु सिद्ध होगा।

शक्ति-आम्रम  
बीरनेर  
आराधना, सं० २००४

नगेचमदास स्वामी



## दो बोल

आमे आबे ओसर-पोड़ी, आंखे-सु आंखी काली पटा-रो नाब  
 कलायण है । बलायण मुरघर-बासा-रे बटखे-री कोर है ।  
 भला हो समो दुषा भला ही काल, अठे-रा मिनस बलायण-मे कहेओ  
 काली मूले । समो दुषा आखे-र उदावे, बलायण-रा गुण गाये ।  
 अल पद-या बलायण-मे मूरे पते करे । बलायण मुघर-री मोटी  
 मेदाबी है । सदा-सु रुह भरयो साख राबयो है । अनाले रे  
 तावका मे मुजा किरसो करको काम करता परा किरसाय बलायण रे  
 कोह मे लुब-रे कपका-ने कोनी गिणी । राठ मे रोही-रे काम-सु  
 बबयोदा हुता बका भी पूरी मीद कोनी सभे । माय बटखे बट  
 नवे खानी ही काम-मे जुद पड़े । लुगया ही बलायण-रे आसगे-सु  
 रोता-रे काम-मे मरदा-री मदद करे । बाकअ ही भूजा बडावण  
 राही बाबे, आबता रोही भयसा-रो कायो दायो स ब्याबे ।  
 गायला न्याज, पादविदासा बाल, बोबे कटल-री बाटी, माटा  
 बिलोम करे । दिमूने दूबला-पावला पसु पाव-री बाय मसरता  
 जगल-मे बरले बाबे, आयल बब-पाया ही पाठा आ ब्याबे ।  
 बलीदा मिछी बरार बाबे आबे बागोसप-रे सामेसा बाबे है ।  
 टीटि-दी बर-बर बदास बर, गोता ब्याबे बरबाग भाबे, बर



कलायण आर्षे, आसी आस पूर नासे ।

आभे अपूर-सु आसी मववासी हरल-सु हल-सु ओइती माय  
अटा बलेरियोही जोगल, कइली काल-सु, बाबुआ-मै दया-बरदान  
देवण देवी कलायण बरस पड़े-जसा धीरदिया गुण-सु बिचारी  
गीत गाव-सु ठरस पड़े । काली-काली रे बीरा म्हांस कावलिपै  
-री रेख, भूरोडा भुरजा-में अमकै बीजली, अथ घर आग्यो  
वसदेव जी-रा सीव, रामइयो पररायो खेतां धारै मेह पबो  
अ गीत भाईका-रे मीतर बैनक-या-रो साधिको प्रेम पिना कर देवे ।  
सामां तीवरा-रु तिचार आर्षे अद काला करव-मां मावै अटवी मूखी,  
पीठिया पलाय अमोला तंग कस पठा-र मोरां बेलना-री बहल करल  
बहनां रा माई आप-आप-री बहना-ने सासरे-सु आद-सु मै जावै ।  
किसाक आख-संग-रा दिन है । हसी हल बावै, मीठी रागा-सु  
तेजो गवै । ठोरका-मै रासां सु बस-में अरे, कबीली सजकारां अरे-  
नेहो, नेहो ! पसी धापै रे धारो ! पाधरो पाधरो ! अरता अट  
अंग मरता होइ-मै मस्त हसी बीजे । ताव-सु अरे मेह मेह  
मोखोही आटां ओसरे । पख ! हसी मोठी आस-सु बावता ही जावै ।  
छेक-सु आप-र बरसा ही जमे । अति बेलां गंध काली मीठा-मीठा  
मोरिया बोली बीर मबरी-मबरी सुटीली राम-सु गीत सुनीजे  
हसी अर अट अय-सु मरीजे । लुग-सु रे सुहरे-सु अतिबोलीबता  
गीत सुन-र अय अय-सु अने अतो अय है । मीनोही मोमी  
मववा-सु रे गीत-सु गू-सु अरे-सेला माक ! कंकरही कुल

बायी म्हांरा राज, ओढी-रा डोला ! काँकरडी हथ बायी  
 म्हांरा राम । कलायण घोर-रै नीबला बुगा-बुगा-सू राग में-राग  
 मिले— बायी गोरी-रै साहेबै मिरगानैली ! थारोके फठे लागी  
 म्हांरा राज, बुबलाली मरव य थारोके फठे लागी म्हांरा राम ।

द्विरव्यां-री मोली-मोली टाली इसका मीठ गीत सुणै पावजां-रै  
 ओले चिक्कल्यां बरबर करती गीत सुणै बह अगल मंगल-मय  
 हुम्माबै । कलायण अगली-रो राग-राग-में सुणी अगामग कर देखै ।  
 मिनल जमारे-री मोल जमंग रागरंग सगल सुकां-दुलां-री देवाल  
 कलायण ही है । मुरधर-सु भी-रो सदीनो साल है । भिये नाते-न  
 सोइय-नै बजाइय-नै और सफ मिठाव य-ने कदेओ-कदेओ कास-  
 नै ही जगां खाव ग्याबै पण ओ समथ न टूटे स न टूटे ! कुरदसियो  
 काज पणा ही करवो कदक्यो पड़े तो के मिराके ? पेखके बरस-रा  
 धान रा भरियोका कोठ और पास रा डिगलां-सु मुरधर रो बाल-बाल  
 काज सु बरै निकस ग्याबै पाछी बपरली छत आवे जथां बजायण  
 मुरधर रै बीच-में ओषो ही ओनी मावै बरसखी सरु हुम्माबै  
 धान सुण जियां जम ग्याबै बाली कोठ मोठां-सु काठ बोड़ देखै ।  
 के बहखी ? दियाली, दोली, गहर और बासीका मभायोभि, धा-में  
 आखंड-रा गीत गापीजै, बाकी पीसटी दही मबती माठा-बहमांवां  
 राजा करण-री पैला राम-रो मु मधुर रेसां छै दंतण बर कोरी-री  
 सदां अपेदे । नागलां-में से माणस हद-सु मीठ हरसस गधै,  
 देखले-सु मासम हुम्माबै के कलायण-री दाव सगली बात्यां-ने मेख

जाँ आमाँ बिना काम बिगड़ियो है,  
कामाव बाँचता पग खूटी मत पावता ।

- ( ५ ) आग कझापख भेय खा, करवा रता-रोख  
फुरती-सु रातो-रात, काम करी ताई—  
राता-रोख आसी कोनी, राता-रोख कर बेबो ।
- ( ६ ) भिसे ओमर आग कझापख, बरस'र बाजी मार अण  
मौके अपर काम हुवा कहीजे—बाजी मारणी ।
- ( ७ ) होव कझापख आसी लीखो खोहा लीक  
बदे मरोसे भावे कहीजे—खोह लीक है ।
- ( ८ ) अक बटुके लू मखी खबर नुए मलाम  
बेचारा—  
अमए केई सापना हिरण किसो मो खप ।  
अक बटुके लू मखी तुरियाँ आगम खाप ॥
- ( ९ ) सिम्या आँधी भूमटे, आग आशिपागोल  
जोर-री आँधी-रो बलाम्ब—  
आशिपागोल आँधी आपी पखी मेह अपबो ।
- ( १० ) बाकपा खोह बमारो हासी, हाहाँ लीखो कझा  
बरसाही मरघोड़ा पसुव त-री पाव आब' बया केई—  
हाहाँ-में लीखो कझो है ।
- ( ११ ) काव एहना खेता रहसी कइो अबाखो सुकसी  
काव एहना मर आसी बगाँ लीखो कझ आसी ।

(१२) माख मठ मीठ राखली

जेक आदमी कोई काम सुंवे, आजीवाळो करे कोनी  
जणां वो पूछे—क्यू ? बर जबाब मिळें—मीठ राखली ।

(१३) मिरग बाजिआ ओरसु, रोडण तापी तेज ।

नांव भूमय्यो कोडियो बरसण बोकी सेज ॥  
मृगशिरा में हवा, रोडियो मद्य में कहाकी रो ताव बो,  
कोडिमे मृग-रें दिन ओर-री आंभी जे बरसा आसै रा  
पक्का सेमाण है ।

(१४) भूगंतैरा माझला आबण मोग हुळास

भूगंतैरो माछवो, आबवतैरो मोल ।  
बक कहे जे महुली मदियां बडसी गोल ॥

(१५) बादल कर मिरमी करी लागी बरसण आस

हुसमण-री किपा पुरी मळी सजन-री तास ।  
बादल कर मिरमी करी बर बरसण-री आस ॥

(१६) आभे जल-रो ओर हे जल भर जांद जणूर

कुडाळो करवो कस्यो सुरज-रें चौकेर ।  
सुरज कुडाळो जांद जल-री टूटै पोरा भर दि डेरी

बीमलुधल-

✓(१७) दूपां बरणां होयगो आमो बोळो पंड

बादल पुज्ज प्यावै, घोसै आभे-सु बरसणो बसे नही  
जणां कबै—दूध बरण हुग्यो ।

सु रेबख-रो केबै है । बब्यां ही बठे-रा जात अर बामस-बासिब  
 आप-आप-रे काम-री आस साबै रबै है । कलापख आयां जेकमेक  
 हुक्मावे, दूब-में रोबै धी-में स्वाबै गग्यां मेस्थां रे चारसि मोड  
 पद्यावे ।

सुरघर मंगल करै कलापख

घर घर आसंद करै कलापख

सुरघर-री सरबस कलाबख ही है ।

साहित्य-परबरी । अ पोषी बडी अके हिंदरे सु आप रे कर  
 कमबा-में हुंती बडी आप रे मनो-रे भाव) नै बाली-बोली मुख रही  
 है, धी-रो नाब, ही कलापख राखरो है । जे राजस्थान-साहित्य  
 लेख-रा रिमाल, राख मुख-योका साबत, कमाभू किरसाय  
 आलीदा अगुव), बालीसा बर जिसा आका पाठक इये पोषी-रा बाड  
 कोड करसी तो महुन कलाबख जिपां आ पोषी ही मनु भावानुपमियां-  
 री मानस-रबली-में स्नद-सरिया-रो प्रादुर्भाव करसी इसो भरोसो है ।  
 बिसेस बाबखआला महामुमार्त-ने बाब-बसा आ गद्यवे, बठे ही  
 लेखक-री खेती कहसहीज ठेका । मजै के ?

आभू ( बीकानेर )

बारी हासी

आवण-री सीक सं० १००४

नानुराम माठर



भां आयां बिना कम बिगड़ रिबो है,  
कागद बाँचता पग खूती मत चारुवा ।

- ( ३ ) भाव कलायण भेव जा, करवा रस्ता-रोज  
फुरती-सु रातो-रात, कम करणै ताँई—  
रस्ता-रोज भाछी कोती, रावा-रोज कर बेबो ।
- ( ४ ) भिसै ओमर आम कलायण, बरसर बाजी मार अब  
मौके भूपर काम हुवां कहीनै—बाजी मारसी ।
- ( ५ ) होय कलायण भावसी सीसो होहां जीक  
बहे मरोसे साथे कहीनै—जोह जीक है ।
- ( ८ ) अक बटुके स मल्ले बापर मुण मलाय  
बेचारा—  
कामण केहे सायरा दिरण भिसो पी लय ।  
अक बटुके स मल्ले तुरियां अगल जाय ॥
- ( ९ ) सिमरा आंभी भूमटे, आय आलिषागोल  
जोर-सी आंभी-रो बलाय—  
आलिषागोल आंभी आसी, पळी मेह अबो ।
- ( १० ) बाकसां जोह अमरो हाकी हाकां सीसो अगरी  
बरसाकी मरचोडा पमुवां-री बाद भाव जयां केहे—  
हाकां-में सीसो अयो है ।
- ( ११ ) काव यहाका खेतां रहसी लदो अपाखो सुकसी  
सांय यहाका मर अयासी जयां जीसो मुण लयासी ।

- ( १२ ) माय्य मत मीत्र रावली  
 जेक आदमी कोई काम सु वै, आगीबासो बरे बोली  
 जणां वो पूछै—क्यूँ ? अरु जबाब मिळै—मीत्र रावली ।
- ( १३ ) मिराग बाजिया जोरसु, रोइय तापी तेज ।  
 नांभ अमूमयो खोदियो बरसय्य बोझी जेज ॥  
 सुगरिण मै हवा रोदियी नलत्र मै कदाकै रो ताब बो,  
 खोदिये सुग रै दिन जोर-री आंधी जै बरसा आथी रा  
 पक्का सेनाय्य है ।
- ( १४ ) भुंगतेरा माछळा आयय्य मोग दुखास  
 भुंगतेरो माछळो, आधेवतेरो दोल ।  
 हंक करे जे मझुली नदियां बडसी गोद ॥
- ( १५ ) बादल कर मिरमी करी जाली बरसय्य आस  
 दुसमख-री किपा घुरी, भल्ली सजन-री तास ।  
 बादल कर गिरमी करी अरु बरसय्य-री आस ॥
- ( १६ ) आभे जल-रो जोर है जल भर पांद जलूर  
 कुडासो करको कम्बो सूरज-रै चौफेर ।  
 सूरज कुडासो पांद जलरी, दूटै घोघ भर दे डेरी

बीजसुबल-

- ( १७ ) वृषां बरणां होयग्या आमो घोबो पंड  
 बादल पुलु ब्याबै, घोले आभे-सु बरसता धमे मही  
 जयां करे—वृष बरय्य हुम्यो ।



- ( १८ ) गछी आरखी सू गयो हरल मछी-सु हार ।  
फसल अथवा और फसवो हुनै लद कहीमै—  
बाजद आरखी गछी गयो ।
- ( १९ ) गिरमौ दिबी गमाय आब बाजता डोकां ।  
हिम्मत माथै—बूख जातो ठाकरो बाजता डोकां ।
- ( २० ) हाय गयो बन्धमहि अखी सेलि बारो  
बीबरै फिम्कल तरब पर-खाखी सेले बारी गयो ।
- ( २१ ) ओहा इन्हा होख  
ओहा, कुडी होख भर बाय्य पर कहीमै—इन्हा होख है ।
- ( २२ ) करै न वृषो अूमरो पैलोदेरी होख  
बरसा बरसता पाय किसान खत खोद देबै और कबै—  
फुरती करो अूमरै-नै अूमरो कोनी नाबहै ।
- ( २३ ) अज भर आम्हो बीर  
बीमासे बहमां-रै गाण्यै-रो गीत ।
- ( २४ ) क्यू हंसिया हल बाय बाबल । राखो कंस निनाय रौ  
हल बाय हंसिया कस सेसी कसिया ( निनाय सुरिकल है ) ।
- ( २५ ) गायोओ गिहरां करै, बाग बहर बिसमाय  
गायोओ गिहरां करै, मयाओ माखी माखी ।  
ओवह-रां गुवाहियां-रै मझी-नखी-मै पाखी ।  
( गाय अछाखी सोरी, ओवह बेरो । )



- ( ३४ ) रतनाक्षी-में सांभरे जादू बीन्हा राज  
 हफ पर गाखे-री होली-री घमाज—  
 जादू राजया रे । सांभ दिया रतनाक्षी मैना !

### मुरघर मंगस्त

- ( ३५ ) सत्तर मत्तर मा करे मांगणदासा साठ  
 झूठो-रो बोधरी आयो घर ओक जाट-सु बोह्यो—  
 बोधरी । तेरो झूट बेपे तो सत्तर ( ५० ) रिमिया  
 में से जादू । जहाँ बोधरी बोह्यो—सत्तर-मत्तर  
 कोनी जाणू पूरा तीन बीछी ( ६० ) सेसु
- ( ३६ ) तीन ओक सु मबरा म्यारी मुरघर सोमा छोइय्यी  
 बिसेसला बतारै जहाँ—  
 ई-री तीन ओक-सु मबरा म्यारी ही है
- ( ३७ ) घेर-धुमेर पीपली सिरसा  
 ओक राजस्थानी गीत—  
 बाप बह्या जा मब रानी पीपली की होय रवी घेर धुमेर
- ( ३८ ) पावर माधि फूख जगामो  
 कठिन जाट-रे आखे पर—  
 नाटापण छूठो है पत्थर-रे फूख जगा बेबे
- ( ३९ ) जाट आगड़ा जाट जर्का-रा काम जर्कीया  
 जाट नै जठे-कठे ही इये जाट-सु खज्ज्याह दियो  
 जाबे है—के परब है जाट आगड़ा जाट है



घरणी घरणी रूप तासो हरणी, खेत निखाणी, भागीरथी, मुरघर-री  
 गंगा, जाहनी, मैस-री बहन, जुग मन भाठी खोगणी दाता सिर  
 बडनेतणी छूठे घिराणी, द्विपख, मराणी, भोख, मेढयहार  
 अनो प्रेम अखावणी आभो रूप जगावणी, मीठ भगावणी, बाव बी,  
 मानवण सुख भोगावणी अज अरोगणी, रोग मेढखी, बाख-  
 अटणी मटणी गरीबांरी आस पोखणी छठरी भागली द्विप-  
 दुलसावख रागणी तेजो गदावणी सांख जयेस पखिहारी  
 काखी नागणी फेस पु फणी सरणी आस अखावणी भाठी  
 करखो भाव, भूरी मली भटकक कखास, दाह देव ल, भूरी मूली  
 भावणी पाप दुकास अटणी सुरग सा सुख सावणी राम-  
 रिसाणी सुगणी मुरघर राखणी मैर फाखण दोसख मावणी  
 छोटै रूप धवर मरणै बासिबां आली बुध देखी नीव व सुध देखी  
 मेहाणी, कड़कती अखण्य दातार देखी ।

आमी मंडयोदी आब ती कखायख-री बपमा

बावख — फु मडख । कागोखि यां—पूधां—घोर । खोर—खाय ।  
 आम—वन । आमी मही भटार खोर—देखख मै खाय ।

# पोयी-रा परिवारिक नांवां-रा विसेसख

देस	अजस	फड्डो	वेस ब्यू
घखी	राम-ना, धम-भौतार सा	सास	साबतरी बा जमना सी
धखियाणी	इया-धाम सी	ससुर	सिरमोड ब्यू
पर	देबा मन भाणा	कुटुम्ब	सो कोड ब्यू
चोरु	पोसा जानख	पति	सास-सपूता
मेडी	मनोहर	परनी	मरख ख घख गौरी
पुरम	मज्जन	भूत	तेरबो रतन
नारी	सत्पां ब्यू	धीप ड	पू.पो जीवखो करखो
बाल का	प्रेम बतूभा	धास	सोब ना
मरख	अमराब सा	धाम	सोव म
बहां मं	चस ब्यू (कांवा)	पीडा	काल-गुलाख
पाप	बल हरजामी	रहीर	गुरख पी
मात	रातादेधी	पोछी	पतछी
धीरा	राम-सपण सा	तेबड	तीस-पतीस
घइनां	आली भोली	आपमही	खबपख
भौजाभी	रापका सी	दही	बटमछ परघर सो बाडो
नण्डस	मयराब	धान	मू.पो
बनोभी	गावडमस सा	भाजन	मधुरामूत
इम्पति	भीसर-गोरो सा	पाली	दूध सो
अजस	मसमस सा	पोडा	पचकफ्राख

तेजी चोका	पूत-सु बत्ता	रथ	रथमुखा
	करये बाझ।	बिरुवा	रथबती
झूठ	सुरवर-री जहाज, हाथी	हथीम	नीम-भा
छोरो चाक	सबपन कोचा	बोझ	मोठ
घनव, ज्ञ	कस, रा कुबेर	वायी	पाखी-पूरी सूरी

कंवारी लड़कियां माता गङ्गा-सु भेष्ट पर मांगी  
जका सुखकथा बरा-रा बिसेमख

पातखियो सिरदार चोड़े रो असवार झूठ-रो आठीयो,  
झनीझी चाकबाको, झूठी मूंगे मोख-री पहरये बाखो,  
बिरुवा-में बिरुप ( काक ) बजसै बर रो, सुर केकसो,  
झूठ-रो त्मागी करबार-में सेठ, हल-री साज राकखो,  
काठी काक-रो बिरुवा-रो पर बीर परमारन नै भागखो,  
स्वारस त्यागखो बगल-नै प्यारो सागखो करण-कमदा बाणखो  
बाखो माण रो बजबीर, फौज-रो मांझी मोत्या-री मज,  
जबमाख बाखो, पचरग पाग बाखो, बरा पर पराधीन नृ  
रखै बाखो मांझी-रै बरखा-रो बाकर, मेम भरम-सु  
रखै बाखो 'धोख की रीस' बरा-रो मात भेम-रो बितैसी।

कुलक्षणा बरं-रा ठसुटा व भूडा बिसेसख  
 गका-नै टासुणै बासै कंवारी सडकियां गवर  
 माता-सु' पिनती करै

करमंष कुलछयो लुसठ बेसुरो रसोभी-रो पब,  
 लुगायां लुम्भो लुम्भो-रो छैल मारेकां बूचको अमखिया-  
 अगखो होछै-रो हम्मीर, कासो अगखो, ठुफराभी रो ठूठ  
 ठगी-मै सांतरो, काखो कोचरो बोयी हाकणहार, बपम्भोभी  
 लेखयो मंगठां-नै मचकायै बाबा मूरल अकदबाव,  
 अमखुंठी मालख बासो सोभ्यां-सु राव करखै बासो  
 मोड़ बचायै बाबा कइबां कट करखै बासो बीनां-नै हुल  
 देखै बासो लोग हसायै बासो ।

### दुजा बिसेसख

गर्वद मुगल दल — हाथी रूप मुगलों का समूह ।  
 बिरम-सा — झाड़ । हजारी — सारीखा हीरा तोली ।  
 ठावको — राबख-रो सो रोस । दुवां — राजस रूप ।  
 नर — बैल । बादल — बागर सैन । जांट — तीर ।  
 फंक — दुहाभी । मुरवर-लंका, पांडव । बल — मुक्क ।



किसान — सुर ।      बरखा — यमीराण ।      सीकास — औरव ।  
 मुरवर — पांडव ।      यणराम — प्रोपती ।      बाणो — हुस्टी हुआसन ।  
 सुरज — किसान ।      पान डगावण — और वजावण ।  
 सीत मजावण — हुस्ट यकावण ।

---

### विशेष वण और ठरुधारस

६	जे	दे ( हिंदी जेसा )
	ख	मर्षम्य ल
	ब	पर्यक ब ( जेसा 'बम' में )
	व	अर्षस्वर व ( जेसा 'स्वर' में )

कलायण

દેવગ્ય	ઝીવ,ચ દાન	કરી	પરત્તમ્યા	ધારમ્ય ।
કઠિનપારી	ક્યવ	સદા	પર	જારજ સારગ્ય ॥
ચારો	લોહો નોર	આપ	સમદરિયા	સાવૈ ।
ધિમરવ	ચિસો	ચણાપ	ફેર	જુગ-મે
			બરસાવ <sup>૧</sup>	॥
શ્યપર ।	મેરો	કામ	સારો	ખરજ, ગરજ
				બરહી
સેવા	ગળી	ચણી-રં	કમૈ	પણી
				પ્રમા જુલ-જુલ
				મણો ॥

## अमस-ओग

सुरघर-में तीन रुतां मोटी मयनीये—परसा ( बीमासो परसाओ ) सरही ( सीयाओ ) और गरमी ( ऊनसो ) । परमा-में पाखी बरसै ; सरही-में पाखो पड़े और गरमी-में गरमी-रो जोर रैबै कइखी कइखी तो मोठ-रा पर सामा बीज ब्यावै । बां दिनां-नै पेरी बरतां हो बालओ बंध बने । पण बी-सोरो करणआली काली कलापण-रै आखै सु पैखो पयबाहो अकलबै-रै अयोग ओग-रो इ, ओ-रै पाखे ओ पोधी-में ही अमस ओग अमस पैखी पोत राखयो है । बैसाख जेठ अर असाढ़ बां तीन महिणां-में गरमी-रो पितर बहे बेग-सु बने । कणांओ तो पून बाले ही कोनी कदास कणांमांस बाले हो बिठी खोटी बाले के अभाबणी बांभी ही बस ब्यावै । इह दिनदां-में आली जीया जुड आकल-ब्याकल हुब्यावै निरब विदर ग पड़ ब्यावै पाणी पताछ में लुड ब्यावै और पसु-पछी पाणी-री छोख-में गैला सा गोला ब्याबल बग ब्यावै । अंगल में घण्डा इ बिनाबर लिखा मरठा मोठ-रै घाट उतर ब्यावै । केधी-केधी बिरियां तो पून रै पिना प्राणी अमस-में बिठा अकल के नींद बांध्यां में निस्तरर म्हारी बण ब्यावै । बिसे ओसर माघे मिनल उठ-सुबारे कलापण-री पाट खोबै सुगम-सपना दिवाने और बरोदर बैठ सुपारठा रैबै । पस

सो कोसों बीजम् बिबै,      जाँये किछो सनेह ।  
 किसना, तिसना बह मिटै,      भांग्य बरसै मेह ॥

भाग-योग-सू पण्यभोर घटा पुन, क्याबै बह-बेदय-में नेतो सो  
 बपरा बैबै तो किछोक रंग किसै ! बकोध्यागै वाञ्छलु बेनु में  
 मिससी ! अठै पावस रा मजा कठै ? अठै तो पैसो ही परबड़ो है ।  
 बको मिनसां विगड़या मैहवरा स, कबो-री जेर रो बजाय बण्यो  
 है । ओरै पछे बीज-बेह, सर्ग भाबैको सेतबो बरसैको बर  
 लूपा अठै नहीं लापैबी सयर-रो ओ बूझो सांको हुग्याबैलो

बह ! किछ लुट जावसो,      पावस बर पड़ियाह ।  
 दिवै भबोछा मारै      बाखम बीज-बिबाह ॥

किती छंकी लुटे है, अबै कजाय-सू करत्या-रो जीव जावै है ।  
 वसां गे बसां स क्यू बरा ? म्हां-रै सारै मगार कजायण है । हरम  
 म्हां-माथे हाथ राखै है ।

बेको जाँरा बाजा  
 बह वा कम बणावै बाजा ।  
 भापी बैसी बयर पोरो  
 मुरपर खीरो है बी बोरो ॥

: १ :

## श्रुमस-धोग

मिनसां विगहवा म्हेवरा	बिने जिनावर थाउ
पंथी खुडे अवे-वरा,	बजह वारा पाट १
दिन बोरा अमस-मरवा	काटां तुकाका रेक
गिण्णारां बिसी अछड-नै	आंगलिवां-री रेक २
कीकर-कीरां कूमठां	बह-मल्लह मुंडमांस
वन पंजह, बीहह बल्लवा	फोगी पोग, फरांस ३
मुरपर मंगल रूप	बठे बंगल मल भारी
इंगल घोरा, डेर,	मेर मुरवा मम्भारी
हाम्भवा मोमी-भाग	अलह मांती-रा साप
घोरा बररी, ताड	पाळ, परबत बेचारा
मुरह, मुरह धामण परा ना,	धूपां घोरा पास हे
प्रीपां पीपां फोगवां-में	दूठां बोवा टांस हे ४
बूठ अम्लवण ! मुर परा	पूरण आसी आठ
तो कूठवां रुकी वरां,	मीजां वारा मांस ५

होसी जड़ बाबरी,  
 रासी दुनिया दूर-री,  
 भोम मोम ब्यू गळ रयो,  
 मोमम भावण राखइयां

बासी मोभी पूठ  
 करे कसायण । कूठ ६  
 भूमस-भोग अयोग  
 दिवसां दामे भोग ७

येनो कर पित मांय  
 विरंगी सो पखराय  
 छेछे हाथी आय  
 मोरां मन हुनखाय  
 पुरा नगरा गैरी पुनख्या  
 बाबा म्हास मित्रोळ मरणी

दरख-यू आव हठीली ।  
 बलाव, व रंग-रंगीली  
 छपीली । देती ठेका  
 मगेअण ! सुणम्या बेका  
 भूमस प्पुनाखो मारली  
 आव कसायण । ठारली ८

जेठ महीने बार-री  
 नंर लुखयो कोयणी

बपळ बू बासी  
 ब्यू ठीकर ठासी ९

ओल्यां आबो बाब सो  
 वेठा म्हीयी म्हाइल्यां

सुख्या अ्योसुहा  
 ठिस मरता मिरण १०

बिरसां बिझका सुबटा  
 गापां बाबां-छानइयां

मोर कूचटा केव  
 ओल्यां भूभी केव ११

इरण रबे ना रुक,  
 इरी पुसर ना मिने

सुळम्या सगळ्या सारा  
 ओल्यां-वखी तिबारा

बाळक रोबी गोद  
 मात पळुमे माध,  
 मूला सा बाळक हुवा हे  
 मांजां पर घुहा - बहेरा

डसाडस अमस-महा  
 पसेबो बाक्यो लाखा  
 काय लुबा-री ताप तल  
 सिसडे तपती वीच बळ १२

अमस-भोग तम मायसा  
 अपड अळापां पमचमे  
 टावरिया मान्या वगै  
 बळता पांभ पसोड ।  
 छायां आयां छोकटा  
 भिसकी ताती भूड ने

कुडली-फोडा होप  
 र्यात्र मुनी-री दोय १३  
 म्हाळी गती छाप  
 पोटा-मे चिरलाय १४  
 पग ठंडा कर छप  
 टावर निकसी क्षेप १५

पास नही मर-वेड,  
 म्हाळ कोठा हे सोप  
 सांढां टोळां होळ  
 नीर मिली तो मिली  
 गंडकडा गळियां फिरे हे  
 जे मौजां अण दिन करेसा,

भेडक्यां ओटे मूरी  
 खेळियां कर हे सुम्ही  
 दुळककर पूत आया  
 नही तो रबे तिसाया  
 तिसिया ताप्या ताबडे  
 त्रिया दिन परसा बाबडे १६

मूरे बाम्हा जीवडा  
 अमस अमस आग में

मुरपर दिन बिरला  
 अमस-मुस अमियारा १७



आँखें आँसू पूछती  
आँसी अबस झुड़ीक पर  
बिन बल ह्यूँ होबै कमल  
सूख्यो छारो सोरलै

नारनां निरख रही  
सजनी । समझ सही १८  
बिना चाँद ह्यूँ रात  
सुरपर काळो गाव १९

डांगर बाँझ जाय,  
लोढ़ा-में के काम  
सेबड़ियाँ-री जाय  
पाणी-रा भी बीब  
हाँफतही हूँ-हूँ करी है  
आँखी मतबूली बपिबी

घरं ही रखै पणा है  
सिखक्या गिरबा मिरबा है  
मैंसक्या माफ़ो हाँगे  
हाल है छोड़ो आँ-गो  
बय गरीब ह्यूँ गावक्या  
बहम कबलाव मावक्या २०

आस सदा-री आप री  
कहा आँखियाँ आगला  
है बरसय बोरी मरा,  
कहे कबलाव आँसी,  
बित में राख्य जावसु  
आँखा बैसा रात-दिन

आँखा-पूरय आँख,  
बीबय मतो गमाव, २१  
निच दिन जोबै बाट  
हुकडा बैसी काट २२  
कहा हुवाँ कही  
आँख रिबक - रोटी २३

सहरां हरिय बोग  
भूमस-भोग अबाव

रोग-रगडा-सु भारी  
आँख बाँझ बैमारी

स्याद्दुःखार्ता                      मौत्र  
 बलमया      गरमी      मांस  
 तद्वत्तं गांवां      बीष      मन्त्रिणी  
 साव युष्मद्वयं      आय कञ्जाय ।

लगो      पंजां-रै      नीचै  
 गरीबां      पितृमी      बीचै  
 क्षामद्विषां-री      छांय-में  
 पाळ      म      जूती      पोय-में ८४

अमर्षं      पचक्रिषा      पोरिया,  
 आय कञ्जायय ।      भेषज्या  
 छात्र      तप्या      है      तावकां  
 मरु      गयोदा      मानवी  
 'कट      बर-रो      कट      है  
 हुग-मम-माठी      जोगणी !

बहरयां      विगद्वयो      होल  
 करव्या      रात्रा -      रोस २५  
 मरु      मरु      बमरु-या      सोद  
 थव      तो      पाव्या      मोद २६  
 कर      मुरपर      पर      मैर  
 का      है      ठंडी      लैर २७

मुरपर      मंगल      बैस  
 कर      क्रिपा      आसाद  
 विपत्ती      मुख      गहारी,  
 सुख्या      पूषा      कोठ  
 आ बज्जी - '      बमरु      बैरी  
 पुनती      घर      सुकैले      बारण

दुर्बलो      आयां      थारे-  
 बरस      मुख      सांभ-सवारै  
 भवे      आ      थारी      बैजां  
 पक्षी      है      राखी      लेखां  
 बाली      बोम्बी      ली      करी  
 बग,      बगड      कमस      मरी २८

धरे      होचरी !      धरे      मठी  
 बटपट      हरियो      हाववी

जाल      सुधे      भट्ट  
 बज्ज      मुरपर      बट २९

सगर्भा शिखां-री नकी !  
 राठा सिरे कथायणी !

दूहां कर दे फूँडवा,  
 सुबहां दे सुन मोकलो

तुहो नसाव्य रोज,  
 धरणी धरणी रूप  
 तुही खिळासी सेत,  
 आगोश्रुता छिटकाव,  
 तुही बिबना गुरधरा-री  
 तुही मारव मा'देव दे

सरा शिखां ही आम  
 कुली धरव्य लीराव १०

मूहां भर दे आम  
 वूहां बीव्य-आम ११

मौज मन मंगल करणी  
 रूप धर तासो हरणी  
 देव गुरधर हरिवाली  
 वाम-सु हो भववाली  
 छिछमी लेहां-री कनी  
 भांत भांत व्याधी मरी १२

वेगी आ बह-गोतखी !  
 तू आसी बह कडसी

हरिबो रूको धारसी  
 बेव चढपढो पैरसी  
 कोर-कांगरा पक्षकसी  
 पापक पगडा मळकसी

कण्ठ्यो खी संसार,  
 बीमसो चित चेत

मेमी मूँडे मेज  
 कामधु ~ टीकी - रेक १३

परती रूप कमोड  
 पेथी - दुगचा खोड १४  
 आमुसण रिममोख  
 लगडा करव निमोख १५

मीस्म रुत करवी मारी  
 मूँडिने विपत्ती सारी

काम करे किरसाय  
 मिथे न गरमा-साय  
 हीन हलोला हरल-य ई  
 भिमै मोसर आब, कलायण !

दिबस भर खेतां दोरा  
 सांम पर आवै सोरा  
 पूर्यो सो परवार सब  
 बरसर बाजी मार अम ३६

कर भिरको गायो डुरै  
 लेय कलायण आवसी

रोही तिवां अहीक  
 सीखो कोहां सीक ३७

जिसा मिग ताकां पिरै  
 बाक बटके स भारे

भरम भरम ना जाण  
 बाबर-नैख मलाण ३८

जबमा-रा ब्यू पापड़ा  
 त्यू ही दुम मीरा-तणो

बाटण गंगा माय  
 अट कलायण ! आय ३९

जाय पुमवण जाय  
 भोमी भगवो हुवी  
 इमा टासी दूठ,  
 मीणो-मीणा लूग  
 दुरघर-मै लग दे लूठी  
 ग्यो पान निपा दे रीतां

माय पर ठहो पम्पी  
 मही पारी मैनाली  
 रजड़ी आवै ग्याली  
 बिपां तिर मांगे पाणी  
 बोपां बाग मासही  
 मिटा बिमाणां बंसही ४०

पीब चलावे पीब पर  
 गाएण गुरंगी कपाबनी

रागावे पी रीम  
 राग - रग - री रीम ४१

नीमां पर पाकी घण्टी  
सावणियो क्व आबसी  
सावण खावण र तीवकी,  
बरसावण मे मोक्यो,

नीमोवणां रस-दार  
मांकाण हीड मळार ४२  
सावण आबण - साव  
हीड हीखावण मांड ४३

### गीत

टोकां री टोळी सी ब्यासी  
सावण मुख अपजावण सवरे  
बसा-वणा' आसि पर वावण  
ठाव-ठाव पाणी भर देमी  
पविहरणां मिळ ससभूम-सु  
बांटां आसी त्ती बरपासी,  
आके पीर सुकसी कंचो  
सुरज-री कृपणी केता,  
डंटां बबरां सु हाखीबा  
पेग कण कणारी भावण-  
हरी-भरी मोमी हो आसी,  
वेळां कधी वेळां बदली,  
झग झगीठी सिटी मोरणां  
हवे पारे मृपा होसी,  
मूस-पट्टा मतीरा मिळसी,  
भर गायारो वृष-वरी-पी

सावण बीरो मेह बरपासी  
मेहं रो मांम्रीको आसी  
गिरी पमपम चोक बबपासी  
'कको कको' मोर बोवपासी १  
बोरो गती बोवै आसी  
आखुंद मरी हांफती आसी  
इणपिच मळपठ पाव्णी ब्यासी २  
भातो से मतबारव आसी  
इक बांबतडा तेजो गासी  
पणवर्तणां-मी बीज तोपासी ३  
सेत-सेत वावर बरपासी  
आवरिया मीचे फिर आसी  
अह म्हारो जिबको मुख पासो ४  
कळां-सु कावदिया आसी  
सिजसी सेत दियो हुसपसी  
आवा गया बटाक आसी ५

સાચુ બીજે-સ્વાગત-મે-  
 સગા બાંધવ્યું કુલ-મેલણ-જે  
 વર વેળો તુ, સાચુ બીજત

બેનાં સહી રાત્રિયા પોઈ  
 કબી બામે બાની સોઈ  
 વારો માસ રહે મોઢાં-સી ૬  
 સાચુ વીરો મેં વરસાસી ૪૪

છિયમિય ઘટ્ટાં મેહ  
 કરણ મીગી મોમ  
 નણદ-મોઢાયાં સાચ  
 નિજ બાસીં સે સેત  
 સદ મુલ પાસી બીજ મારો  
 મેહ વધાક ૫૨ ચેલા-પૂર્ણ

મુરંગો સાચુ ક્યાસે  
 બીજતા હવ વરણાસી  
 મીલકા મીલ ગાસી  
 પયો દિલ્લો દુઝસાસી  
 સેલાં હી-ને વાવસી  
 મરણ મરણ મંદરાવસી ૪૫

બા બાચુંદ બસાદ-રા  
 અર વસાપણ ૬ બા બધે  
 મિમ્યાં બીધી કમટે  
 કરણી મુગ - કરણોપને  
 સીજા વાવડિયા તૈ,  
 ૫૮ ચિરસાદ-રા ડીકરા

બીલ્યો મીનો સેઠ  
 મુરખર સાંસો મેટ ૪૬  
 બાપ બામિયા - ગોબ  
 કોમ દુષ્કની સોજ ૪૭  
 યમ-વમ 'હવ' સોર  
 સેત મુપારે સોર ૪૮

મહી વસાવ-રા મિનુ  
 કનાબે હર રાસણ

મોઢાં માયે લૂલ  
 વાગ - વગેવા રૂપ

वाग	वरोवा	दृष	ऊन	घर-सु	अप बाबे
कृपा	बाबुनियां	ह	महाय	मो तेव	बागबाबे
बोली	घोस्वा	अंग	कमीजा	मरीखी	बहरी
‘गरम ! गरम !	तोइ करे		कलायण	कोडां	सररी ४८

पर पर	आली	बलकी,	गयो ज	मुजमी	जेठ
आस-नीद	बड्यक-बो	१,	पुगो	लेठां	ठेठ ४०
लेठां	रेठां	बजबली	ठापी	हडि	अलंड
घन-में	मधुर	मरीरिवा,	फिरसायां	तन	ठंड ४१
ऊपर-ले-री	आसकी		ऊमस	गिणै-न	बोग
वूडा	आबे	हळफळा	फठकारे	कर	फोग ४२

लेखइसां-री	छांय	वसठियां	बिस	हवाई
असमीर-सी	मौज	भूडसा	करे	बवाई
आयू सिमखी	जिखी	छांय	मन भाण	छबीबी
आणो	बाकी	बखा	भूजवां	मरी
वृग	असे	लख-छटियां-सो	पूड	अ्यू ठंडी
सुरेपर मे	लेखइसा	देबे	झांयां	सुज-री
				लूव दे ४३

१ जाणव घोर विचार-मे बोवे,  
आज बनी-ने कृ-मे बावे

घोर मे बोवे कांशी ।  
विचार-मे बावे हांसी ॥

धोको सुग में कीवसो  
 क्रियण हुयी क्यूं कोइखी  
 बिरसी छा बैरा हुया  
 लूबां - काय लुफाय दे,  
 मुसरो करसी बाबूकपां  
 खासी लक्षण बिजोगखी

बुढखी सुखी बखाय  
 किरपा-करणी माय । ५४  
 गिरसी मल भरपूर  
 बीनां-सू कर पूर ५५  
 लूबां छैसुं हार  
 भरां नबेखी नार ५६

भरा खो रहो भीर,  
 नेही पीक पिछाय  
 पाखी - पाणी हुयी,  
 आव लुबां रे मांय  
 भ-पद पाइपां छल-पन-करणी  
 मयू गबोडा माणसां-नै

सीरतु सोच पिछणी ।  
 माक दे मीर नराखी ।  
 मुरपरा बाखी आखी  
 गलै म्यू नगरी छाखी  
 सुग पर छांयां कर बरा  
 भर दिग्य दे मुरपरा ५७

बपरदे-कर आबूग्या  
 मुरपर मनसु बीमबै  
 अलपति हुल अजग कर,  
 धिमरत मीर पिछाय दे  
 बूना प्रेम बखायणी ।  
 सेस नैस होआबूसी

ओल मेटण-हार ।  
 छै-सु बारवार ५८  
 मुरपर-हुसमी बाबू  
 ना गसै मल बास ५९  
 मूनो मत कर देस  
 हो आयां बिन सेस ६०



छाँड-छोरवा बक्या  
 बातां बिमली नूब  
 तोबकती गर-मैस  
 गधा गूबता छिरी १  
 जाय-यां बोड जमरो हाजी,  
 जाय-यां बोड जमरो हाजी,  
 जाय-यां बोड जमरो हाजी,  
 जाय-यां बोड जमरो हाजी,

बैसग्या गोषा गोरी  
 छरग्या १९ भूमि दोरी  
 गोमै २ बाय बिरात्री  
 ताबकै मूकै ७ रात्री  
 हाज १, लीलो भूगसी  
 कको जयायो, भूगसी ११

छच्छताप छप जयमर-या  
 ठिछा वस्तुबध्यां बाबका  
 त्याह-बरछ बसन्ती हुबी,  
 जाडू पोरां जेक सी,  
 सेतां नूबा लोदता  
 जमै-रुम - जयाहली !

प्रयदी रया पुकार  
 बसता हूक - स्वार १०  
 छमजायीत्री ११  
 बिषक सखी १२  
 बियायी करी १३  
 भीड़ मगावय १४

लागी काम पराह,  
 पाणी होल बुझव,  
 कोड करे मा कोय  
 दिख मर दिख-सू माण  
 मुरघर मा कर राज, मानवण !  
 जय भोजी हुवार बियायी !

कछावण भाज बाबली !  
 धाव मठ मौज पबली,  
 साख अपणो भर लोया  
 करे बुख बिर्न भर होया  
 राल सखीमा १५  
 मती जयाह- सेतका १६

१ यहाँको हम निर्दोश मस्ती जाती है — 'सुर ताता गयो' माया ।

सुखं रुक्तां सुवटा  
जाय्य छत्राय्य कोट में

सुख भोगवण आबवडा  
रोग - भेटय्ही रोज-रा

नखरादी मठ नीसरी '  
'नट ना' पांगरसी पर

भूख भपटवीं पूछ  
मंडण किसी मझाळ  
भ्रम सांगी बोराह  
काम बिना ना क्यै

पंती - सु पाणीहो साधे  
ल ठावा वन - म लगे ग्मू

भिसडा रक्षा सुबाय  
रुक्ता रक्षा लैजाय ६६

भोग भरोगण कास  
भोगण । अटण जाल ६७

नोरा करी निपट  
ओ भूरोहो मट ६८

भूखभप आले ह्सा  
मेह नम मिले भगूला  
पडथां - मे डाडा भारी  
साज सी रत आ सारी  
रात-दिनां कुशटा बगे  
गने राहां मिरडा जगे ६९

ग्याट तपे राखी तपे,  
भीखे पूर पसेव सु

आयो अन्तराही रतां  
हल पड क्षेत्र सुबारिया

निरग बाबिया जोर-मू  
मंड अमूमयो र्येहियो

वन वप-वप तीमै  
मन जल-जल रीमै ७०

सुरो असाही तीज  
भेसो करियो बोय ७१

राहण तापी तज  
बरसण भोहो जेज ७२

लोह पिताबय परतलो  
 केसी गोली पोह सी  
 आमुसय सुरंगा बरवा  
 पण्डितरी—मू मीनरी  
 घटाटोप गैरी घिरी  
 बीज गहू रंग साबलो,  
 अर अरदा कर बल पकी  
 मू मैसइरयो मावली  
 सिस्सर दिन सामी इवा  
 मानो काली मागणी  
 भंडे-सू कह चोडरी  
 सीर बाण सवियां तयो  
 कठी कमर बांध कर  
 फास पुफाणी सरपणी  
 आधी मली अहीन पर  
 मानो मूकण भेल-मै  
 मैसो मैसा रोडिया,  
 आमे आणू रकभडे  
 सुरज मये द्विप रिया  
 जाण राज रातस ठठवा

लोह पणबै बाव  
 मुण योस्या इय स्वात २  
 साबल बैस अमात्र  
 पाणी मरयो चोस १०  
 तीका तीका टोक  
 भसभस बाजे पोह ११  
 अगत क्याजि न जेस  
 पाडियां—रै हेव १२  
 कठी इजोआ काम  
 दिवो भूजियो बाप १३  
 आमे धूपर आस  
 नेत, हेव मन मांय १४  
 नाठी कर मन रोस  
 अबर सयायी जोस १५  
 भूडा टोक कलांड  
 धांडी - करयो भांड १६  
 हावी - पाथी आस  
 होली हुस्सइ - बाज १७  
 अबर बादल होड  
 भूत भगूसा दोह १८

बह बह बम्माका हुवै  
बेकीहा बरपख सम्या,

हकी रपो फझायणो  
सुर-इरा बंदा गया

अपर गझअपर हुयो  
बरी अमाबस-गाठ-सी

आमो अमल-यो दे-ब कर  
मानस सर मन पर हुपै

बादल पसु-मडल मजे  
धूआ-धोर अग्रेलियां

छाय लगी घन मांघ  
वहवह बाँड़े खीब  
पूरो ठाण छागाय  
बेडा दीलै नांय,  
आभे जगज हाय भू-ही  
धूआ-मे पसु हकबदे दे

मू-मां कृतां मूक  
मूडा होम्या फूक ६६

भूरी मझी मटल  
भूची आल अटल १००

रियो धणो मन माय  
धीळै दिन री आब १०१

वह-बेतन चित चोल  
हसां मब किलोल १०२

लोर-बाय वन आभ  
बिप अतरी मरु आभ १०३

हकह मज ठठे दिलोला  
भूट-हाण्या-रा टोला  
पसु भय-मरिया मागे  
सेर - बहरी सै सागे  
सुरज आत्र जगाय ही  
सीबी साफ दिमाय ही १०४

मीलै भूरी रंग - सू  
सुल सुल करती सूकती

पुल-पुल आभे आत्र  
अपरी-मपरी गात्र १०५

आप रै लसकरा-सु लसकरता बका किसान लोग बैठते हारै  
 बिहारी अब फूला नहीं समार्य । भूजल भोरै माथे छीली बेडा-  
 नाह-सु तोड़योडा मूण-पट्ट मतीरा फेड़ पठर आप-नै भिछ मुर्दा  
 समझे बाणै दुख दुनियाँ-सु डेर कृष ही करमा है । मोद,मधे  
 मतीरा साधै अर गीरबो करवा गुणगुसाधै—

मूक-मंजय अर मन-रंजय, तिसिया करै सुपेन  
 मोखो मतना लाग्यो, मसीरै —री बेन

सिम्या बेला, पंढी रेजा गबण रीमै । डेरा-डेरा पंचमेसा सव  
 सावड रै हमके सीनै, रोड पुढायीजै, काकड़िया छोतायीजै और  
 अखबेली बलां अडै अब आवा मिनक-रो अंतस अरुमुठ रस-सु  
 रागोयै । बगुन-छुटावै, कामकां वजावै, जकी बेसा बेसी जावै ठे  
 दुनियाँ रो दियो ही सुनिवाँ-रै जीवै जियाँ हरल सु अछस  
 गबण लाग्यो । सांझ संधारै मोटे-मोटे मुलकटा किसान ईंधी-  
 लुसी सु भिछ मिलै बाणै ओ मिलणो अमर-रो बोक अतोको  
 भिग (पछ) है । भिछ भिग-नै सधम् बणावख आली कलावण है ।  
 कजायण-री मोटी मदत-सु होतो जावते थोमासै-में लजां माथे  
 मल माणस सीयाली रै भुरगवां रा, बेडां मेडां-रा आगसा ममसुध  
 अपार ही पैठ बाधे है । कजायण नहीं आबती-तो होसी-दियाली  
 कटे सु आबतो ? बेडा-मेडा-तो कटेही अवरज नै ताकवा छिरा ।  
 पण ! कजायण नै किसान बासा । किसान नै कजायण आवी ।

आप न जायें कठे ? आलीर ओक ही ठेरवा, आपणो ही पड़े ।  
 हुओ कुण्ड माले ? आप-रै साथे तीजां किसान तिरार भी मैदी मूँघी  
 करवाण नै कठे-सु ही छेती आप्णे—

साबण—	य सतरह गया	आज	नैसाही	तीज
पाज	तराजू	तोका	वे,	के
			मारगी	धीज

: २ :

८

## वीजल—वेल

मिनस्यं	बेरा—बेसके,	लगां	गीरिया	गव
जगां	जिनाबर	छोडग्या	विरयो	महक
कुवरत	कोरी	घांठली	गङ्ग-गङ्ग	गाम्यो
कह-कह	करै	कखोसियां	कूरे	सुम
मन				मोर १
सुरघर—मारबल	वाय्छां	आमो -	पीब	अपीर
हाफठ	मज्जठ	नीर	मू	सुर
			कन	गैरी
				पीर १
सुर-यल	लमतो	बेलकर	आमो	रोबल
लोबल	वायल	बह	अप्या,	आमो
				नीर
				अप्या ४
अमर	राजा	अविद्या	गरज-मिरग	बजाव
बरक-बरक	पाणी	पके	पोटां—पोटां	आव २
अहक-अहक	लकल	हुके	घर	भूजे
वह-वह	कमलिया	हिरो,	पह-पह	पहवा
				तूक ६
प्यारी	कूटी	अकसी	बरसल	आगी
सुरघर	ईश	मानवी	रहा	बाध
				हरलाव ७

आसुरिया-री	छात-सु	नासा	आर्या	बट्ट
लासा	खेता-में	रेता	रंघ	रफ्त ८
जल उभा पाखी उल-जल		गाल-यां	गांभ	अजल
वृषा-वरणा हो रवो		आभो	घोली - पंढ ६	

देख	कलायण	बसा	प्रेम	बरसावे	पाणी
वरसद	बीती	पोर,	ठमै ना	खेख	विद्यापी
बिलाके	चांदी	बिसो	पदपो	पणीको	पर-पर
बीजल	पल्लव	पणै	पाद	सोनै-रा	सरबर
पर आभा	सिंभनण	कीमी,	खुब	रचामो	खेख है ।
आज सुवाणी	सोम	बलापी,	आयी	बीजल	बेख है १०

अमो अभिनय सो करे	पर-पण-नी	विद्यापी
सीन १ छागी पल्ल-पल्ल नवा	बीजल-बेख	पसाण ११
कदेक सहर दिव्य दे,	कदेक	जाल
कदेक सरबर परबदा	कदेक	संगर
जाले ह्यू बम्बूकदयां,	गद-गद	बूटे
भाए अनेहू यू भरे	अभिनय	करस
आमो-पीर अमाद लिण	अमोस	१३
सोयण अण मिश्र दे	अंजल	बीज
	पोर	अंधार
		मपट्ट
		पपट्ट १४



लिख अंघेर अघावलो  
बीजक और अंघेर मित्र

अप्यो रोग विजोग्यो  
अंघस अघगोही हुयी

पञ्चम मठ कर पापखी !  
रे बगार ! मठ बैर से  
राजी पक्षी संजोग्यो  
आमे-सु अरजी ! कटि

दुख संगलु ही मूक-सु  
सुख-बगारखी बीजकी !

सिध्ती बैल बीजकी  
अमर - राज - रसोवही

आजटेण बीजक लिखां  
विपस्यां कोज मजावती

हरी कस्यकस्य राख-री  
'गली कारखी-सु गयो'

गरमी दिखी गमाय  
बली प्यंक पर प्यंक,

बट चांख राखे  
बू कचडो बधि १२

बमछत बेली बीज  
प्रीतम अपर बीज १३

गात्र मली असमाय  
बिरह-पीड़ वैचाय १४

रबी मरोलां मरक  
बीज - मकहो माख १५

मारु - बदन निहार  
छिप मठ पसरो मार १६

अप्य बिज बाज हसंत  
चूडां बीज बसंत २०

सुरधर छिरी कजाय  
प्रीत पुरायी जाय २१

बरसय 'मूसलधार'  
हरक मकहो-सु हार २२

आज 'बाबठां होला'  
रीज सीली मकहोलां

मण्डल बैठा मांस,  
 भरे । पून रुक बाव  
 चुबे' हापरा रात-रा से  
 अने कणपव । ठहरवा तू

बाँर अदे मुन मोली  
 लुब्धे मारे सु चोली  
 टप-टप टपके टाप है  
 परा गयी सा घाव है २३

आमो अवलम्ब बरसियो  
 कबल कणपवण पूरियो  
 गालू हर ही-सू रिप्य,  
 विम अम्या, कोपण लम्बा  
 कोव कसावस । अम अम  
 बीयो दिन अम्य लम्बो  
 से बारपां दूखां करे  
 मूरी/ मूली मासणी  
 बारल घोडा बावका  
 आलां नमो अविपो  
 बीजा मिले न चोरहा  
 पल भर-मे बाबी किनां  
 लात्रा सु मय काँवडा  
 परा बुसायो चोपलो

फाटण जाती मास  
 बरसण अठो राक २४  
 काणो पबसी छाव  
 डक-डक बाज्य बाँव २५  
 चितरी अण न मुबड  
 बरसी राव अलंड २६  
 नारपां पाणी घोडा १  
 लाव पबसी कोव २७  
 आमे - कोठे अम  
 पाणी रक्षा मुबाव २८  
 बैठा टावर द्वार  
 पाणी आरो - पार २९  
 आशा दिया बपाव  
 नीर सोगयो माव ३०

१ कर्मी-कर्मी कर्मा के करवे के सिल किनां हुपकर बायो वासली है ।

संज	नगरा	मिदरां	बाव्या	धामस	जोग २
माय	कल्याण	भर	भर	मुरघर	जोग ३१
कासक	सुव	भूगण	कम्पा,	सांवा	होम्पा
भेकक-होम्क	कांट	भ्यू	वरसे	देवो	पूष १२
हरियां	मिरजां	भेजिया	सुष्टिया		सोच
पांठ	संभरि	प्रेम-सु	मन	हुतास्वो	मोरां ३३
रल-मिल	रुक्ता	बासिया	लोहर	मांजर	बाव
पक-पक	भूम	मचांभता	पोकर	में पक	भ्याय ३४
कल-कल	लेलव	अलिवा	तास्वां	हास्वां	बाव
होडा-होड		फदाकवा	ओ'दे-में	सुड	भ्याय ३५

नीर	भांगणां	बीच	इबद	भ्यू	नद	दिबोला
बाखल	बावक्यां	भ्यू	लीर	भर	बादर-कोला	
गझियां	इहो	नीर	गयो	गिरमासी	सारो	
हाव !	गयो	बेकाम	'बाधी	हेलैहि	बारो	
पाप - हुकास	सा	काटसी	सुरग	जिसा	सुख	कावसी
मुरघर-नी	गंग	बही	भागीरथी		कमामयी	३६

को'दा	भरगी	साधुबी	आम	गंगेतर	पक
रेव	करी	जिम	रेणका	परतव	टीबक
				पा'द	३७

२ कही-कही कर्त के कर न होने पर शक्तिों के प्रार्थना के फल में लक्ष्य प्राप्त है ।

पाणी पासा पर पड़यो,	टीबां दूटै कोछ
नख जितरा रीठा नही,	ओढ़ा हवा होल ३८
काहा माहा, नाहिया	सभी हुवा सम ताल
घर मोली यू बिजबती,	कली चारी गाल ३९

पाणी ही पाणी पड़यो	ओढ़ा-कोछा आय
गंग-नहर ब्यू गंग-री	मुरपर बल छै'राय
मुरपर बल छै'राय	भोरिपां धान भुगाबल
काटल दुन हुरमिल्ल	समो कर मुल अपडाबल
अब मसाबल कछा	बली भणियाप पिछाणी
बरी आपो - आप	इकठां पग-पग पाणी ४०

भुमस कलाबल तापना	अर करता अरदास
विणत्यां रा बर हैं दिया	राखी आली आस ४१

राबण-रो सो रोस	ठाकड़ो वपठो भारी
हवा - राप्रस रूप	मग-देवां दुन्य कारी
पाइल बानर - सेम	अनायल-राम रिसापी
छांट छीर छिटकाव	पांफ मिस केर दुहाओ
मुरपर-झंड निसंड कीनी	मुर-बल हीमो आज दे
गुर-रुमान किसान मुसो-ई	बमीनल-परगा राज दे ४२

मत्तब्रह्म ब्रूगते सुरज  
इली इलावा नीच इरकवा

मातो छे खेतां मयी  
तेजे-रस रीम्वत बगे' ११

लुलुपां सीतां, गोव मुख  
मोम-भटाप मापवा

मयी-मरणी पीठ  
इल-नी रवा कठीठ १०

पीवर-ईच अचध-बख  
ठाटी जाटी-रा कबर

जाफा-री बोली  
म्यू तेबस पाकी १२

सप्तरी बरसी सांखली  
इल बाबतवा छेड़ता

खेतां इरक दिखोर  
'तेसी वयो मिखोर' १६

झिम-मे छोटा जांबजा,  
पट्टे पख-पख-मे पखो

झिन ताबड़ छोटा  
पायी भर पोटा ६०

बमख-बमख कर बाकता  
वापड़वा तिसखत पड़े

इलते पायी पाख  
ठिरयो तांवी बाव ११

खेव मांडवा खेखता  
रोवपां राबी रिडकटी,

बाकल बाव अबोव  
बाव बड़के गोव ६२

पसिहरी मिस बाव  
बया मूसरो बगे  
सीठी राग मझार  
बरसे मीली बाह

मीर सरवर-सु बावस  
सहेस्यां क्षीरो गवय  
सुखे बर मेह रिमख  
मिबोवय मीला साव

साँच-माँच लैरो भिजोपां  
चटपट चोर निचोहर गोसां

हांफठकी पर आ रयो  
अपट बाय सुख रही ६३

वास ठले पां डेरियां  
डेहरिया डर-डर करे

रचे पंखेह रोख  
झीझरियां-री घोख ६४

घोरां पर मामोझिया  
झिझकी रोली छांटकपां

जोबां भिसकी बाख  
आमै अपणी बाण ६५

राखू बमके आगिया  
खोन-बिही भुड मोनखो

दिम चरचरिबां गणख  
देवे सुगन सेनाख ६६

स्याम सरुन सुवाबखा  
गरज निचाणां नाकगी

भेवर करे मरखाट  
आ घेसपां तन काट ६७

गीसा दीखी ताकडा  
सीखा होग्या फोगडा

भीसा दीखे भोड  
झीसा-झीसा खेड ६८

तीजे दिन ही मोष  
गावां-मैल्वां दाँठ  
अबड भर ली पेट  
बाडडा फटडा ओड

ताखियां हरपा दिघापा १  
झगडती मन हरजायां  
खेड सुर अब-सू आये  
करता चारखे जाये

१ बर्सा हान क तीन दिन बाद जमीन से पानी क चक्कर निकलत है आ मि  
छानी गुप्तों क बीता म नहीं जात । अब-बकरीबां सुपे दे खान कर  
बद भर लेती है ।

उ रथं	नाय	हवाम	वापकी	छुमै	हैभी
सेवय	सिद्ध	काह	काही	किम्मत	अठपैरी
घोष्यं	बाबै	डीक	वरय	जंगल	मैमासी
स्वगत	सेवय	काय	पीछ-ने	पातर	पायो
कासी-मूरी	मैवइयां	भी	रोही-मै	बारी	छिरे
माहर	नेका	नय	बाय	सुनो	हरे न

गाबो	सीतो	हुवी	कांबठी	लोको	राजी
मैरपां	भाजी	छिरे	बणी	मठवाली	तासी
विछां	आदो	भोप,	फोगका	फबी	निपका
सेवइयां-री	छाय		भुवाबी	मीम	गुवाजा
सुभइयां-री	नू	करै	आयंइ	देयो	बरस है
कासी	परा	मंडल	करयो	कत्तामय	हरस है ८२

करवसिया	छुरे	छिरे	गूजे	गिठयां	गोठ
सुरक	पुरक	छीसो	रावी,	भूरी	ढोड ८३
मैरुजी-रा		गीतका	गाबै		सेवय-हार
किहके	किह	मिस	भूठ		बयवय-हार ८४

गवसो	गिठरां	करै	बाग	है'र	विष्टमाय
साने	पडिबो	इहांग है	सुनो	सेव	विष्टमाय ८५

रिंगल करे, रेबड़ करे, मेहां, बकरियां, छोट  
 मुरघर-मंगल, मानवी अंगल, रात्री बाट ८६

बाछड़ा बगै क्यार सार ललकरि बाला  
 कर कोहां किसकार मुखकटा मन-सु बाबा  
 मुर-सु मेला गाछ संगल-री मौजां माछे  
 दुष-मुण टास्यां बजै बाछड़ा बरता बायी  
 पर छोटकियां डेरा मांदि हाथ दिखावै गोहिया  
 पलंगूना बित बैठ बलावै मगर मारे अत रहिया ८७

सावण मुरंगी सीढ, पीबक्यां सरबर घावै  
 गुहियां बला-बला गूपरी बठै सिखावै  
 भूबा कान लगव सुणै भिन्दर घरराबत  
 आभे रानी बोय गीत मेहां-रा गाबत  
 'गुही बसै गुहो रोवै मेहा । मुरग्या जोर-सु' १  
 लस-भूम सहेस्यां मूत्री आयो घटा दिसोर-सु ८८

१ सीढ के दिन लड़कियां गुहियां अलाती हुई के गीत गाती हैं । इस  
 अवसर पर कभी बरौ भी जा जाती है ।



ह रघुं	नांव	हनाम	छापकी	हमै	है'री
सेवण	सिष्ट	काठ	झकी	किमव	अठपै'री
भोसण	बावै	हीक	वरण	जंगल	मै'माथी
स्वगल	सेवण	काय	पीय-ने	पाजर	पत्थी
काकी-मूरी	मैंसकपां	मी	रोही-मै	बरती	झिरे
नाहर	नेकी	नांव	बाण	सुनो	है'री

गाथा	लीखो	हुकी	लखती	लीखो	राजी
मै'था	माथी	फिरै	बखो	मठबखी	छाकी
पिरछो	आहो	भोप,	फोगवा	फनै	निरछा
खेजबखी	री	छांव	अहार्थ	मोख	गुब/आ
सुनवां-री	पू	करै	आयं'व	देखो	बरस है
आली	पर	मंडव	करयो	कलामय	हरस है

करबकिया	कूरे	फिरै	गू'जे	गिटहा	गोड
सुरक	सुरक	लीखो	राती,	मूरी	टोड
मै'हजी-रा		गीतहा	गार्थ		खेकस-सार
बिजकै	लिख	मिख	गू'ह		बरवण-हार
गवर्तलो	गिजरां	करै	बाग	है'र	बिसमाप
साके	चढियो	आंग दे	सुनो	हेस	बिजाप

रिगल करी, रेबद करी, मेडां बकरपां, ठाढ  
 मुरपर-मंगल, मानवी, बंगल, रात्री, बाढ ८६

वछडा बरी कतार, खार छलकरी, गवाला  
 कर कोडां किजकार, मुखक्या मन-सु, बाळा  
 मुर सु मेळा, गणस, बंगल-री, मीजां, माखे  
 दृण-मुण, टाळां, बजे, बाछडा, चरता, कायी  
 भर छोडकिपां, डेरा, ना'लै, हाव, दिछाव, गदिखा  
 अछगू'बा, जित बेठ, बबाबै, मूख, सारे, भूत, रांढिया ८७

सावख, मुरंगी, लोड, पीबकछं, सरवर, पावै  
 गुडिषां, बल्ल-बल्ला, गूधरी, बैठे, सिछाबै  
 भू'बा, काम, काग्रय, सुणै, भिम्बर, परगबत  
 आमै, खानी, खोब, गिड, मेडां-य, गबत  
 'गुही, बरी, गुहो, रोवै, मेडा। मुरग्या, ओर-सू' १  
 मूम मूम, सहेम्यां, मूत्री, आषी, घटा, दिखोर-सू ८८

१ लोड के दिव बड़किनां गुडिषां अलार्दी हुई के गीत गाती हैं। इस  
 अलार्दी पर कभी कभी भी जा जाती है।

# बीजमयी-सावय

आ	मासकरी	मैर	बैस	बीजमयी	न्यारो
पर	वरसा-मै	बखी	पखो	परकरती	प्यारो
हरियाली		छा रही	मा रही	भोमी	सोखी
मिनका	किसी	महाका	मुन्वा-बेव	मन	माखी
क्याह	दिसा	दिवाक	दिवाक	है	हरियाली
हीरा	पना	भीत	धयाली	महा-माखी	
धर पर	सोब	लाक	ममोन्वा	पुन्वा	जिसकी
साख	भोमी	हार	दिये	पहरका	इसतकी
भूमा	विरछ	अनेक	बेक-सु-बेक	रंगीका	
ठांस	वार	तमास	फूज फूज	फबी	फबीका
कठे	पानका	प्रेम	कठे	बेका-रो	बाणो
कठेक	महाका	मुन्वा	मुन्वा	महा	बीजमयी
अचर		अकदिया	मतीरा	मूस-पठाका	
बेका	बेका	नाक	अपपका	बहका	आका
बोका	बंगका	सेत	छीक	छबि	बोली बंगी
गगण	परका	र गगण	सजे	मबर	सारंगी
छीसर	काक	तलाक	भीक	पाकर	बख
माका	निरमक	भीर	निबका	मायो	बेब
मनका	प्येले	मोर	बंजीका	बोली	प्यार
गिरे	अचरका	गीत	बजाक	बीज	नगाक

बाहर	माहर	निहर	कूटता - फिटता	गाव
झींगुर	खोह	कसार	सतारा	घार सभाब
बाण	तीनू	सोक	सोक भर	मुखमा घीनी
धीकाशी-री		भोम	कलापण	बरसा घीनी

रिझमिझ	फूजा	मांय	पूज	महफार	ठडाब
मीठो	मोहन	सीम	जिया	मगतो	गुण गाव
कुरै	कलापण	लोह	फिशोरा	बाबल	मुखता
मुकुता	टीका	मांय	भोम-सु	बाठा	करता

घनछ-बाण	नम	ताण	बाळका	हरल	बघाब
पलकै-ललकै		ललक	बीज	दिन-रीण	पखाब
ताब-झापा		तोड	सोड	मूढ	बाण
भरम-बैन	घर	पखा	बीज	तेणा	देराब ८२

मानी	मांटी	मोटरा	सापकळा	सोलीन
तागा,	बेही	पमिवा	भल	मेजा-घ
				घीन १०

सहर	बीच	सुराण	कलापण	मरपो	भन्तेखो
साबण		बीकानेर	हुपो	मन	मयण
सिद्धाडी		सरबरा	मंडे	जिव	नूब
ठेकम-ठेक		भोग	मगरिया	जाब	मेला
जल	तिरछे	तलाबा	सोड	फिशोरा	मुस्ता
खोड-अंगला,		बाग-बगेचा	फूड	रंगीला	फूडब ११

नारदाँ	देखण	बाव	मगरिया	सिब-बाइयाँ-प
मारग	मावै	नांय	बाद	घट रथ-गड-पारा
गूँजे	जी-जी	कर	सुब-यी	मै सिब बाबा
माल मिठायाँ		फूड,	पडावै	भर-भर छावा
गुर पोकरयाँ	गोठ	भुटावै	भोग	छावावै वृषिबा
मैय्यो-मैय्यो	रंग	जमायाँ	महावय	नाडाँ वृषिया ११

पहर लड़ी	सै	लैयकी	कुपूरत-रा	सिखगार
निरकय	नृणाँ	नोकरा	पेडाँ	इंवा डार १२

छाळाँ	छमी	साँपवी,	जे ।	मचियो	पास
बेल,	बूट	बकमवा	पास	तयाँ	पयटास १४

बहुवाँ	पेटाँ	पूड्या	कसिया	सार -	समाभ
लुसिया	मन	आयद-सू,	नाम	रिया	निरपल १५

पान	निमाय	निअलता	देठ	टीडस्याँ	बेक
सिमय	खीजे	धांतराँ	तीवय	तकुके	तक १६

नामन	जिवरी	टीडस्याँ	आपन-रै	बुयियार
काची-काची	'पी'	त्रिसी	सागाँ	इंवे सार १७

अलसायो	सी	देकक्याँ	सिबवाटी-रा	फूड
चियमियियाँ	बीया	लगै	पल्लै	पल्ल
				पल्ल मूल १८

खेत निनायक मा क्षणी	किरसाखां-री	तास
मादुङ्गे परबु चक्षी',	बरसा बायी	बाख १३
पास काट बूझी दिबी	पमुर्वा हेड	समान
फटफटरे सु पनपम्पो	खतां धूमो	बान १००
कदेक वाजै मूर्खिओ	कदक 'पिछबा	बाय
कदे फल्लायण आपरा	'नग-बार करे	ब्याय १०१
काग बनइयां, मुटबकां १	बिडा कमेडी, बार	
मुक-मुक मन ठहो करे	कड-कड हेड	भडार १०२
गेरी, पीचा गोहिया,	रमता लीचक	ब्याय
सिक्खो सामो धाबतां	मझकां पर घुस	ब्याय १०३
भीम्यां, मावकां मूडियां	किरका रंग	कीयां
गोग्रतुरी िल्लारियां	नानदियां	भीयां १०४
रेली राब दियां बिसा	अमृत अूपम्या	ओब
सिखियां कृषां मिणभिये	जिणुमिखियां	हुक दीव १०५
टीटखियां, टिरडाटियां	बांही बिच्छु,	होब
गोहीरा गुरीइया,	गजब कम्मरा	गोब १०६
मिहर सिरसी अंगलां	भीगुर अलगा	अलप
बाब य पूजा बैल-रो	अपे सल्लो	आप १०७

आमे पर बाइल, ययां  
 सूरख भूगण-आयखण  
 बरबरियां पर-पर करे  
 जंगल-मंगल आरखी  
 बाइल, पसुवा-रो वडो  
 म्यां-म्यां म्यां-म्यां लेख सो

मण्डक भबूकी बाख  
 बिरसायां १ सैन्य १०  
 पूजा-री बेबा  
 मली भजन रेबा १०  
 जेक साथ छिप साथ  
 'गमनां - बाबां बाब १०

सिमथ आबे साथ  
 मारग माबे नांथ  
 कथाके बाछा गांथ  
 बाबरियांकी टास  
 बंसी, असगूआ बरबरियां,  
 मन भाबे देकत बसे सुर  
 आयो गोगो पीर  
 बोबे मैसां बाट,  
 आसो मल फकीर  
 मूल बिराही गयी

मैस अखड, गड सारी  
 बिछडियां मेसो मारी  
 बरबियां लखले राजो  
 होकरी सिमथ पाओ  
 मलखर, बीमल भागर है  
 आथख-ढटा अपार है १  
 बीर-ने लड़ी पिछडी  
 मैस आ बैठी पाथी  
 बजाबे बंसी प्यारी  
 बाट मलखरी सारी

१ कोयों पा बरबरी नाम का जीव रहता है । वह सूर्योदय और  
 सूर्यास्त होने पर धी-धी चबि करता है । सूर्य चारों ओर होने पर  
 चिपको को रक्त नहीं रहता किन्तु वह आसानी चोत्तिरी सबको डर-  
 जल का डान करा रहा है ।

बलदा, कटदा, फिर-फिर बरे,  
बे-फिकी मुरभरा बग्यायी

झीको लखे रोस है  
करी बलायण मौज है ११२

पली लोढ़ पंचावती  
बाजा बैस उचारबै

कर पावस-सु प्रीत  
ब्यू सु-मधुर संगीत ११३

भल फूली पदपावली  
भाये लख-लख काव कर  
गोडे सुणी बाजरी,  
आय बलायण ! खेतदां

भावै हिरण भयंत  
तिखिया छेड, दूरव ११४  
वाली मधुर मोठ  
करम्मा गैरी गोठ ११५

फूलां जारे फल मछी  
पायो मीठ कर रियो

कंव लां ब्यू कोमल  
बांदिषियां निरमल ११६

बेलां बघती रत दिन  
बमार भखियो म्भार-मै,

भूगां मोठां टोप  
बेलां भाछी ओप ११७

मोठां कंवल कुहारिया  
सिद्धां कूक सोवली

बेलां फूल बलाम  
रोही रागत राम ११८

खेव-खेव भरणा रया  
मोठ मजेका बै, रया,

बांगर ॥ बाजर बूट  
बिद्धियां करती लूट ११९

संतोखा सी काकड़ी  
सीबटे-री सिद्धियां

सरगत भरपा मतीर  
मंहुं भरणी कीर १२०



सपरी सोन कचोक्षिवां करमोला सा बीन  
मिसरी मरी मतीरियां खुद माझकरी रीठ १२१

कठे घसी-भण बेस करे मीठो मन्वारां  
खीर - ककड़ी बीर 'मखर - बीरें रा म्बोरा  
मिठ भण परवारी कठे कतिस्तो करता  
जाज कसूच मतीर रसीला मरवा करता  
टाकर गरब जगाव गाव-में बांढरियां-री बांढ- में  
गिर जावै, माझ्या फिरै हे बासक कुछी बांढ-में १२२

सांखल । म्बल संवळो म्बो रूप सांखलो बार  
जंढरो बर होयी मते मुरपर-रा आबार । १२३

फावो टीन्डी, फिडकळा करता । कीन्वो बांढ  
काठो कीन्वो कावरो करम्बो समी सुचव १२४

मृपां बेठ मुजव झजले बीरे मूचे  
बोम डामकवां बेठ बजावै डमडम हूँ  
मरी जमि ही कुच पावारे बज-री प्यारी  
सगळी गयी बकास भोव धिपडा मुज मारी  
बण मिरव खीरपां लग्नवै जोळ-जोळ कर काकडवां  
तेरी मया कळाय्य माता । आपस बांटे कांढकपां १२५

मिहमिर मीमी घूह  
 पेजां रुफा रीट  
 सोरम से-से घाय  
 मण-यट्टा मतीर  
 डोरम - डोर मतीर मिह  
 तेरी किरपा-सू कलायण ।

गया कपूतर काग  
 पंछी पूया खेत,  
 खेजं चक्र भाग  
 हरकत करत कलोल  
 गगर छोटग्या गंडकड़ा भी  
 गारै मधुर मतीरिया का

जंगल-वा से जानवर  
 सेह सुरदा, स्पासिया

सहरां भागी लोग  
 होछा - होठी होह  
 पोछं ठक जांबदा  
 रुफा रोह पकाय  
 आया सेठ पगात्र-सू  
 रोता हत समेतां मीतां

ठिबै जळ सू छीकरया  
 मेह-सू सारा किरिया  
 हू कठी लूकां डोले  
 घाय मेव,। म्यू बोले  
 'हूती-हू' गावद करै  
 आम गधी ग्यारस करै १२६

करण केकीड़ा केका  
 गांव-मै खेज-बेना  
 भार पछन्धै री बेलां  
 रोख परभाती रेला  
 गारुडियां री होह सू  
 ककड़िया भी होह सू १ ७

रातां रोतां आय  
 रुफा मतीरा ग्याय १ ८

कदे न्यू रैबै रोरा  
 आवठा बरसा कोरा  
 कोह मन रोही आवग  
 राय पूबा पर जावण  
 बीमासा बित भाइयो  
 रोदपां रंग जमाइयो १२६

मोह	धूँध	मतीर	आकड़ियाँ रो मर कोड़ो
सिद्धा	ढोड़	कलाव	आर फड़ियाँ मर गोड़ो
सिन्या	हेरे	आव	बिठ मुस साग बसाव
आवरिवा	कड़	छोख	मुठकी माँय मिछाव
पूर पूर	मिसोकी	रोटी	मिनचा बीमै साव-ये
फेड़ महीर,	बीर	आकड़ियाँ	ईसठा सेबै हाव ये ११०

नारयाँ	निरखे	सेत	देठ हेरे हरियाली
बाजर	'बरबर'	बोख	हुआरै सिख है लाली
देवाँ	हाथी	पाम	पूव मिस पला सीपे
आखँव	पये	अपार	आम बड़ बाँक्याँ मीपे ?
हाली सीली	इरा	साँकरी	मीसी बाँटाँ ओसरै
करसाँ बानी	ओय	सेतका	मोड़ मना अमिनप करै १११

सेताँ	आन्या	पूडसा	बूनी	सेत	बसाव
बारै	ठावरिया	सिया	कर	कसकर-रो	काव ११२

सेताँ	सेली	रेत	हजारी	बाव	हलीका
मोती-दाम्ना		देव	ढोड़	सिद्धा	स्वादीका
किन्नकट	मोरण	आव	हुदका	आव	कबड्डी
बसअवण		घोपड़	हुदका	हुदके	हुड़ी

१ जब बादलों की चर्याँहि धूलि पर गड़ती है तब बड़ा आनन्द होता है ।

સિમ્મ્યા	ખમકે	જાનનાં	જવ	વાલક	જોસી	હરજ-સુ
આજ	દિવાળી	હેતાં	ધુલે	વેંચાણી	દે	પરજ-સુ ૧૩૩
ધિય	હી	દિનાં	અનેક	લીજ	સ્પૃશારં	જોડી
રાસી	પૂન્યુ	પરજ		જલમ-આઠ્ય		મોટોડી
ગેગ	મ્યારસ	જાપ,		નોરતાં-રી	જિજ	મ્વારી
દસરાત્રી		દેસાંત		માગતી	પૂજણ	મારી
એક	કઢાપણ-રે	આધિયા		જલજ	અનેક	આધિયા
જણા-ઠણા	આર્યદ	પરજે		નિત-નિત	નૂનાં	આધિયા ૧૩૪

## धूआ-धंवर

पून-रै साबै माप मिस्सोकी रैबे है जकी सरसी-रै आंख  
 दिना-में छोटीकी बूझा-रै रूप-में सुरज आग्ये-सु पेखी, फूज-पावस  
 मयै अय आबै । आत्मजो होय-सु मोतीदा सा चिह्नै । अय-ने  
 ओस देवे । ओस आपणै अठे आसोज-रै आस-पास अछी-  
 फूठरो आबै । अंगतै सुरज-रै देख्ये सु बड़ो आणव अमरी । सब  
 दिनां जमीन-सु पाना-री जहां-में ही जल आवा करै है अछे  
 तेह करीबे ।

ओस-रो दुबो रूप धंवर है । पो-माह-रा मी-यां-में ओर-रो  
 आबो पड़े जव जावज छोटी-छोटी सूझी-री नोक जिची-जिची  
 अंटां बस-पंदरै दिना-सु माल फाग्ये बरसा जिवां बरसही सरु  
 हुम्बाबै । पूजा-पार अंछारो दुबै अर हय-ने हय कोनी सूझै ।  
 पोर विम अछ्ये धंवर उबै ओर ताबड़ो आबै । विरही पर  
 बरस्योहै पाखी-रो परमण 'बीठी-रै ताबड़ो ताबी गोपड़-रै गोई ताबी'  
 रखै । आखे जागज पाबै-सु अछो पद क्यारै ।

धंवर-सु मीमै तो पुरो गभो ही कोनी, कसू-के नागवती बांटां  
 आंखो-रै न-हुपां समान ओसरै । पण सीज होयै-सु सरसी भिरी

पड़े बाखे सीरो जीम सेबै अर मांय-ने सू ब्याबै । बा'रै निच्छन-ने  
 जी ही खेनी करे । पख । 'सीयाको सोमगियां रोते रोमस्तियां ।  
 बभागिबा-रै चिसी मौज कठै पड़ी ही ?

भाग-हीख नै ना मिछे मछी बसत-रो भोग  
 रास पकै अर अग-रै हुबै कठ-रो रोग

मागां सेती भीपक्षि मागां बृम्है गाय  
 बिन मागां रे परसराम ! परययोड़ी सर बाप

खेर, बा-रो ही कोछी बेछी है । परकरती-रो पिछोखको भिन्नाफ  
 क्यूं ? ओछ्यां गरीबां के मोरकी रै माठो मारछो है ? 'आबो माह  
 कामसु बाह' । छट होछी आगछा हरस मरछा बिन आबै अर बट  
 पाछो बोझो हुब्याबै । रास-रमतां पवै । होछी मछी । गबरां-री धूमर  
 पछै । धूआ-बबर बाप परी । हरियाली हुब और बसत पांवू-सु  
 आछ-तीव ताखी कझायय-री अगां मांगझिक् मौखम मुरधर-मै आयां  
 बरसै । ब्याबां-साब । अर ठिबांउ-सु सगळी बाबां-री मौज रबै ।  
 मुरधर संगळ-सु कझायय मर ब्याबै । बनोरा आबै अर छुगायां  
 गीत गवै—

बांउ सबइ ब्याको ओ ! सीब बसवैअजी-रा !  
 बांरै मोदां-रै मोछी ओ ! साबन निरक रया  
 बांरै केइ मररखा ओ ! मुबदा बोझ रया  
 बांरै अर भोकाबझ ओ ! हसली बूय रया

बारै	कल्ला	करवा	ओ !	ठाणां	गूज	रवा
बारै	बोक्या	बीपर	ओ !	म्बाव	तिबेइ	रवा
बारै	भैस्यां	दुम्मे	ओ !	पाडा	रिक्क	रवा
बारै	बाव	सीदै	ओ !	मूग	पसीज	रवा
बारै	गीतांछी	गाव	ओ !	हूम	मिछोर	रवा
बारै	बान्ग	बोकी	ओ !	साजन	बैठ	रवा
बारै	झाज	पिछंगवा	ओ !	बोक्या	हल	रवा
बारै	सेव	लुमांछी	ओ !	नायी	बिछाव	रवा
बारै	बमझ-होका	ओ !	हयायां	पीय	रवा	
बारै	साजम	बीमै	ओ !	माईदा	जिमाव	रवा
बारै	बेटा	कमाव	ओ !	पोठा	खेळ	रवा
बारै	घर	गायक-सु	ओ !	ऊछन	होय	रवा

मुरघर रा चिछा मघुर गीत माछ-बैनाव १-२ पाव छ मूढे-सु  
मुस्या वन-भन ऊछो हुम्बाव ह्ये में के फरक है ।

: ३ :

## घूँआ—धंवर

मिनर भरे मन मोह	जिमावर जुहो अगली
पंछी बहता फिरे	करी किरसाण रुमाली
खेती धान अपार	कमलपण बसे कमो
बामरदे हो आय	करी तिसबारी सुबो
कदे घूँआं - धंवर क्याबै	कदेक गलस बमीन-सु
तेह दे दे मे' सो बरसे,	सीस करे दिन तीन सु १

रात रतन परमात-रा	गयो ब जंबरी गर
जिण्डिया गिण्डिया कणकण	पग पग बग्यो पलेर २

मान पटियां धान मे	पक्या मोठी खोर
घोरां घोर बिट्टिरम्यो	रात मागतो खोर ३

उमस - योग - बघारणी !	सीपाबै मय मार
पसत पत्ती-पूखी गद्दी	मड़ी बग मा मार ४

पातल-पोसण माबड़ी !	सुरपर रागण मे'र
कम बनबै बाबबो	ठंडी रुदी से'र ५



आइ सिपावो सी घखो  
भोग धनाखु वबारणै

बेपी बाब कम्पो  
मुरघर-मै आम्पो ६

बब-बेवन मुस बेझिवा  
कांठ्य हुलका अटयी

आबपो सीत मुब,प  
बाखी हिन हरकव ७

सुरख भूगख बेल्  
किछधरे किरसाण,

पड़े मीम्पो सो पाखो  
आर केतां सु टाहो

कू बकम्पो करवाट  
बाखी - पीपा बाब

अकसां ज प मुयाब  
तान मोमी मरबाब

आखे भरली - आम आपस  
मुमाखी बाखी पंदूच

होनू हंस बातां करै  
केडीदा केका करै ८

पीपाण्यां सी बाबती  
सरण गपाके गोपिदा

पंड-पां तीली तान  
बूट दिखाय ठ जान ९

बूडां सिट्टी सुख  
लेस-रखीसं साम

हो रपी कइवी पोखी  
किसायां मांडी मोखी

राव-दिमां कर तोड  
पयबाइ कर लयी

ओइ छिर सिट्टयां नाखी  
बेकरगी भेखी आपी

बोरां होरां-सु हो-हो कर  
जेस कजापख-री क्रिया-सु

पूबसियां बीनी पसी  
बाबरबी बरस वखी १०

फखी	झगी	भ्यू	गूपरा,	मोठ	हुया	है	छाख
भरणी	पूरी	बान-सु,		आहो	फरियो		फख ११

सारी	सिद्धी	तोड़	की	अबै	उपावै	मोठ	
नेकी	झागी	नानरखं		भरसी	कोठी - कोठ,		
भरसी	कोठी - कोठ,			बोख-सु	बाव	बखावत	
झीझा	होपर	झग्या		छावरं	राम	भग्यावत	
रामझियै-री	रग			गुच्छी	भोमी	भारी	
भोमी-जै	भर	गधी		कत्तापण	रागां	सारी १२	

निकझै	झार	मलीरिबा		आमै	छेव	अनंत	
त्रियां	अमावस	राव-जै		ठाण-गय्य		चिखरंत १३	

मझां,	बूझां,	मंथियां		होव्य	खाम्बा	मोठ	
हाथ	पस्या	हो-हो	पस्या	मेझा	हुबै	न	मोठ १४

कठैक	करै	मोठ,		कठै	बाजरकी	गा'बै	
कठै	परीबै	भार		कठै	अत-वन	बर	झावै
कठैक	पाको	कठै		बोरिया	बाजठ	भाली	
कठैक	हिगां	मलीर		फोड़	कर	बीज	निकझै
कठैक	कबूरा	झगावै,		फोड़	करै	सिद्ध	बाहता
कठैक	छिलो	करै	छेकड़	कठै	कराय	मांझा १५	

गंठे	गुणो	गा'य	करेकृत	करिया	बान्ना
मपरी	माह	जगाय	ऊपर्यै	भर-भर	काजा
मोठ-फळ्यां-चे		दिहम	भरा	भद	चारे ठाडी
फली	फोड-ने	हाय	जुट	जलदां-री	चाडी
मोठ्यां छुटो	बो'ज	छाम्यो	मधे	खिलमी	मात हे
बूठ	गदी	कलायण	अक्षी	सावड	तूठत जात हे ११

वाय	चले	मा	बावली,	किण	चिण-ने	दी	रोड
'जाय	पडे-में	पास	दी',	तलां	ज	देव)	बोक १०
मिळमा	ऊभा	लोबिया		जड	नम	तडबो	ताय
पून	बलायी	प्रेम-री		अबसर	भाव	कलाब	१५

हरिया	ओढे	ओढणां	ब्यू	गोरदियां	गुड
राठी	बूड्यां	बोरिया	महादियां		मुरमुट्ट १६
धूम-धूम	मिळ	महादता	मीठा	बिमरत	बोर
टावर	राब	रोसता	बय	महादियां	बोर २०

पर-पर-में	पी-रा	जळी	असर	वडे	अपार
गोलां	मोलां	माझिया	दिबळां	जुडे	कतार ११

कोडां	करता	काम	दियासी	आबी	बायी
गांब,)	छदरा	ओर	रोत,	हाण्यां	मं घोडी

पुष्प-सु शिद्धिमी पूष  
 अघर बोर-बड य  
 सुलक मिछां सुसी-री घलां  
 खोप्पा-बोझया परां बीये

गोरबन १ - पूजा न्बारी  
 पेट झाडै पर मारी  
 राम - राम रा रंग बंटे  
 मीठा ममल पखा पुटे २१

काकड़िया बिंयडा बिमा  
 मीणो सी टारी पड़े

मिजको न्बाद मतीर  
 सीली हुयी समीर २३

धान होंवता छंट पर  
 दुग्गाभै गूजत बगी

मरते मद् माधी  
 मुरघर-रा हाथी २४

सरही आयी आपरी  
 हाक्या-हाक्या हंरहा,

पगु पाक्या दर सित  
 दुरफलिषो को मोत १ २५

बिरछां बीनी कोड-सू  
 पिछवा आयी पाबयी

पाम मरी छली  
 बबर दुलै हाथी २६

बोगर बोंधर मांय  
 ओो देखे आप  
 मद् गोंधड़ के माय  
 गही चीषां अय

पूजता उभा आया  
 गांव गारां-में राजा  
 सब सपख ये-नूरी  
 बालका काडै हरी

१ दीपावली रात को वर्षा पड़ने वाला है । प्रमाण लु दिना  
 मा रंग पड़ने वाला है । अब मध्य जिनो बछि मगानके जि हाय  
 बीरनी है । अथवा प्रविष्ट है

आका-बीरनी के दिवाली पुरान के पान

કરાં ધણો હી પાસકો હે  
 પાસો પકે પહોઠાં જાં-મેં  
 ધંધર ઓસરી હેગ  
 હરતાં નાસ્ત્યા પાત્ર  
 માણસ સુત્ર માંય  
 જ્ઞાનદિવાં આ વહી  
 ખેતે કરે કારતી પરસા  
 સાધણ જિયાં મહી છગી તા

સુધે ધણી જગત્સી  
 પતુ મા રાહી આલસી ૨૦  
 જિરજ કલ્યાણે રેજા  
 સુકિયા સાંસે સારા  
 ઓહિયા ગામા મારી  
 ગમ - મેંસદસ્તા સારી  
 હરતી સીયા જૂણ સા  
 અતન જિહાંજા કૂણ-સા ૨૧

પરમજ્ઞ પાજા પક રિયો,  
 રૂપાં નીચે પ નકા  
 શામે શાકો હુસદ બન  
 રોષતકા સા સ્વલકા  
 હરયા ન પોગદ-સેજકા  
 અંગજા હુયો અધાવસો  
 પોહી બોલી રાત-રી  
 પૂર્વા - ધંધર પ્રમાત-રી  
 જાસી અંજર હાજી  
 મારી અમ્મ મન્ન મારતી  
 જાસી અંજર હાજી  
 જમ વરંગ વણા વણા

ઠીપો અમ્મ તેજાવ  
 નાસ્ત્યા અમ્મ મર ણાવ ૨૨  
 વણ શાજાનજા રેવ  
 સીવતકા સા લત ૨૩  
 અસા રિયા વિશ્વાસ  
 સરહી સચી ન જામ ૨૪  
 રાહી જાજ માંવ  
 ગમજીયા ગરજાવ ૨૫  
 જોડા કર કહી  
 હાંજતકી દિહકી ૨૬  
 વાસકા વિરજ સરુપ  
 જોમ્મે કિળે કરુપ ૨૭

ठर ठंठो	भोलो	हुयो	छिपके	बोरो	बैस
मेह-बखी	भरि	बरा	कीना	बेधा	बैस ३५
हरिया	मूला-स	मवा	भरिषा	रहता	जोर
पासी-म्	पीका	हुवा	गुह	माई-रे	जोर ३६
भ्यू	तन पर	वसवर	धया	सीस	उपाड़े
केह	महरका	अध-बल-पा	पेड़ा	रूग	अपार ३७

आपो	मी नो	पोह	काकड़ी	काबण-बाओ
टावर		बरहीम्माह	कांस	सुबसुदिया बाओ
ओरी	साता	रोग	अस्यो	परबल पासीम्बर
बूडां	फैलख	सरयो	भयो	गुजराती घर-घर
असर	निराबे	आप रो आ	पाओ	मुरघर मे रमे
'राव	हुया के	बात कै'सा',	पासी	पत्थर सो बसे ३८

बाम	रुगटा	फाटग्या	अयेखी	पड़गी	जोत
सगरी	सु	हुह	आण	मांगता	मीत ३९

कीरब	भ्यू	सी-अल	पड़े	पांडव-मुरघर	पर
बैबण	हुकल	अवाह	मगह	मू	हंभल अम्बर
श्रीपत	भ्यू	बयराय	दुसासन	दुसरो	बाओ
मगन	करख	रख रोप	पुणखो	अडे	अओ
बीर	बधाबख	हुसद	क्रिसख	कीनी	जीत है
पान	बगाबख	सीत	मुरघर	सुरज	मीत है ४०

सरस	कीकर	सबै	बात	कुहरत-री	क'ही
पाखो	पकतो	देख	तेज	साप्यो	से साबी
करबो	किरखां	काढ	कियो	पीझो	पाबै-रो
माबया	सार	रो ।	सोग	कर	सीयासै-रो
दियो	भोज	कलाण	कासब-सुत	गैरो	हप्यो
माइयो	अल	घणो,	पोह	मीन्बो	पालो
		भिय			तप्यो ४१

वस-य	अबे	कुबारिया	छोटा-छोटा	सोर
छाबण	भू	नम	पण	दे
		ना		भूआ - घोर ४२
ना	बीजल	ना	गायखो	ना
छोटो	रूप	वणाबिबो,	करै	अांभी, ना
				लीस
भू	बासक	सुना	कांस	मात
होली	-सै	गमो	करसी	ऊपर
सोच	कलायण	मन	आण	धंवर
बन	आलो	काजो	आले	होली
		दुयो,		छाय ४३
अंगस	सुधे	ओबि	मुरम्योदा	मूल
भान्य	पट्टियां	मेयगी	धंवर	घरा-री
				भूल ४४
बाखा	धंवर	कलाण-नै	मुरपर	करै
रातां	भोम	भिजोवती	बिना	बछायां
				बास ४५
होली-होली		हामनी	धंवर	रूप
आगर	अपनी	बाण-सु	हरी	फरे
				बछाय ४६

राखू	रोही	मांय	गवाक्षिपा	रोख	रबाबे
भेबड़	सैंत्यां	राख	बूय	दुह	कीर
दुम्बरदी		गड-मैस	जर्ज-रा	गवासा	म्यरा
पछव,	कण्डा	टार	बराबे	टापर	प्यारा
बजरबां	मेछ	साबकी	जोरा	छोरे	रोख है
टीबडकां	टापर	रमै	जंगल-नैगल	मीत्र	है ४६

झींहे	तबला	पावरा	स	छोटकिबां	बात्र
छोटा-मोटा		छेकरा	टाट	बरावण	बात्र ४०
भूबे	घारे	आलरी	रायण-नै	गुललीर	
आग	झंगीरी	आमरे	बात	बयावय	कीर ४१
क्षिम्या	डेर	आधकर	भेबड़	वाकी	बाड़
बिछाबी	का' १	बैठता	मीन	मुकामा	नाह ४२
रोही	मे	गवासा	रमै	गांवां	राजी
मुग्घर	माणस	मो ता'	सगला	मुकुरा	बोग ४३

करखी	मोत्र	अणत	मुली	त्रिसाणा	सीखो
बीमण	मुषो	बान	कूबै-रो	पाणी	पंशो
सीयाखै	रो	काय	काय	बयो	मधुगामुत है
पीन्ही	रोटी	पोय	सकरकी	राखपा	पूत है

१ हा स्तनों वाली भड़-बकस्विकि गवाले जिन मरक बाके-मजि पीन्क माग आकर बैठत है ।



मिरियो हृदय हृदय सेवै  
मैस्पा-रै जाई दही में

होका पीतल द्वार  
पीली बातां नील  
सीस्पां सूभी बैठ  
सिमया धूँयां बैठ

राम भरत हृदय केकरी-री,  
रबै वीरबल पातस्वा-री  
जी हरपा ब जी करै  
मन भाषतकी मसरारयां

हुससै भाव हृदययां  
हुसी बरुवाय-री किरप

पा पदयां परमाविषां  
हरि गुण 'गुणगुण' होरिया,

गावै पट्टी पीसता  
पूवां भारे भैरबी

माय महीना कट  
रिता देखे पाक  
रंग लाया हल-राज,  
अह अनाप पित बाब

कहती दूध कडावयो  
चूरी रोटी कावसी २४

हवायां कने अयोली  
बतावै पूडा बोली  
नास आजा ओसायां  
मीष में साजन स्पायां

सील सलूखी बातकी  
पूडां मुप ही सवातकी २५  
मितरां आछो मेस  
गुण सु रेसा-वेस २६

चौकी धूँवां ओग  
मोत्रां मायै ओग २७

साठ सुबप्सी राग  
माणस अठे आग २८

मारयां गीत अमोस  
लिया गोबिदा मास' २९

आट रात्री पर चावै  
कक्षामख-रा गुण गवै  
भाजती गीता टोली  
कर्मिने जगल जोली

पोखी-पोखी टीकबखी किरसाखा मन मांखती  
बारै मांख लुगवां जोखै राभी पर-नै आंखती ६०

खूब बघाऊ निकखिया, भोमी ऊग भपोड़ १  
रुब-रुब गरमी रमी सरद दिया घर छोड़ ६१  
नांय मुबाबे ठाबड़ो, ना मन भाबे छांय  
आय अबावण बाजती ठकी अक्षपठ बाय ६२

अगण सागण वादली होतर पंखी रेख  
बरसण-री मन-मै करी दूर ककायण बैल ६३

बादलियां आभै मडी मुरपर कुस मन हेत  
आखयो बरसा बरस-सी जोयो करसी चैत ६४

हुछ लजानै बादली वरसण हुयी तयार  
पाखी बिन खली खड़ी बण मुरपर बावार ६५

झोटी-छाटी अज-री आ बरसण सीखी  
अगा राखे अजदी बड़वां - री वीखी ६६

भेकड़-बेकड़ छांटकी टेर परे हो ब्याय  
बरसव-बरसण मंदसी कड़े ककायण आय १ ६७

भरसी भरटै-वाखिवां खेत-अता घर-छाट  
आय ककायण बरस-सी पाखी पोटां पोटां ६८

१ अमीरमें वरमी पैरा हान पर कागोंकी अकाम रख किहार हाथर भेक  
कामस बीस सी अरर जारवा है किर्तम मीदी-मीदी दुलियां हाथी हैं ।

बेर - भाव	विचाराय	रुमे	होमी	रीती-सु
गेरी	हरे	गुवाळ	फग	खेले
देवर	बोळा	फिरे	माझा	पडे
मर	पिचकरणां	नीर	माली	बूढी

बाप्पा	भासा	बोग,	मचावी	गैर	रंगिणी
नम-घरणी-रे		नेह	कळायण	कडी	फवीणी
फग	रम्याय	रणी	मची	हकी	आमी
छोटा	ओला	छांढ	मिळावा	वरले	मुरभर
जाय	रंग	जमंग	पिचकरणां	मिस	फचकणां
आमी	बर-नी	गैर	ओला	ओला-सु	पकळ

भाव	पडा	भट	भूमटी	करण	ओळ	बोळाड
छोटा	छोटा		बरसके	मोत्या-रे		बघिमार

पर	हाके	हर	भूमले	गडगाड	गज	गजध्व
भरणी	सा	पोली	करी	ओसर	गडां	अजध्व

होली	मिस	पोली	करे	भरणी	अज	अजस
मलां	मज्याळां		मुरभरा	नाले	मेम	मजस

बाळक	हरत	दिखोळ-सु	गुगता	चित	भर	ओळ
हावां	जावठ	हांफगा	ठका	कांकर		ओळ

आयी	झिठरी	ओप-सु	बरसी-सा	बचरीह
बूख	भरा-रो	मेव गी	बीज-बीज	झिठरीह प४
छठ-राजा रे	बाब-में	पांगरबै		बखराय
फै	सुहाबा	फेगवा	कांसुहा	है राम २२
फेगां	फूयो	फेगवो	होम्बी	गयी सिधाय
तइई	इयाबै	तीजपयां	फूल	जुहाप जाय २६
पुलहा	चूटे	प्रेम-सु,	गीत	रसीसा गाय
मांगी	बीयां	गबर-सु	'मिसका बर दे	भाय ।' २७

### चंद्रावला

इरिया	पुलहा	बीस	सहेर्या	भूतप
पित	इयडपो है	बाब	अण्ड	बर हूखरो
चूबी	मेही	आस	काही है	तीजपयां
भीठ	गावै	गीत	आपस	मम-रीमपयां १

करा	पखी	आहान,	मुणीयो	संकरी !
पूछां	मै पित	जाय	यांरोहा	झिठरी
रोज	बडाव)	फूल	प्रेम-सु	भूतप
बर है,	कर है	सुधी,	रब)	नित पूछती २

तयो	रसोई	पब,	सुगयां	बू फडो
दमैही-रो		दिस	मायेकां	बूचडो

होली खेलै गै रिया  
मिठर मिठै रंग-मोड़-सू

रसिया बंग बजावता  
रठनाझी-में सापरे

भर पिपकार-याँ नौर  
मदमुठ बड़े अबीर ६१

धीमी भणै धमाक  
जादू दीना रालू ७०

छाग - पोरां जाय  
होली आयी आय  
मांड डकड़हो खेल  
पांणी कर पेयाइ

हार परां जावै नहीं है  
खेलत पोरां - पोर पीठै

जंगल में जेख घणाघी  
अवानां बड़ी मगायी  
मेख-सू पांटे भीरी  
गंजय छागदा सोरी

आगे पोरता हारवा  
ओतै टोरा मारता ७१

आछो प्यगय रात  
गांव - गुवावां बीज  
फिलकत कूदत बेख  
कम्पां गावै गीत

हरपत हाथां से बफ रुड़ा  
कण-कण में जोख पांचरछा

ऊमली बपवै बोली  
खेलता संगमा सोली  
दौड़ता बाखूँ सारा  
पुराणा प्यारा - प्यारा

रास रमय-री रीव-सी  
रातां तान संगीत-सी ७२

मदवां मना बसंग  
मांणी रातां मांज  
गावै पखी धमाक  
पीढ़ वगा पुनर

गग-रंग बंग बजावै  
सातरा सांग बजावै  
बहिया ओढ़त डालै  
मगारा पैं-पैं बालै

बास पूरमा छै मीठा, मोठा गीत गायीसदा  
 मुरघर में मादकदा रसी, बाझक बगे बैढीसदा ७३

होली बाली सुगत-सु बल्लो धाम उपाइ  
 कोठै नाचयो कोइ-सु 'तेजो' गाय जमाइ १ ७४

बेल्थे दिन ध्याया अबै, सेइल लीनी चोइ  
 ठंढो - मीठो बीनयो मूख सरइ-रो खोइ ७५

कूइ लुगार्थ मूखबै मीक छतारण मम  
 पाछो गया पिताय कर छागी भिडोमण तम ७६

कगण्य पद्मकदाह मरद मन बहरा बालै  
 भाई-रा सा भस यस्यावा डक पर होसै  
 पाठा बकै पणाय, अहीकत आवी होसी  
 कइयो मन-री कसर, पावड़ी मोही बोली  
 गस्यो गेछा गालु गावै पूइ कइबै परम-री  
 कर नी कियौ कज्जल ! गूगा ? बात बही है परम-री ७७

सैछा साबर साग प्रेम-री पूही कोछै  
 दंठ्ये करै मज्जाक मुझकटा मीठ्य बोछै

१ मुखिये शुरु मे होसी बपाठ है । होसी के बीच का दम लज्जता बीच  
 कर बाँके क पानी म मिलात है । फिर छिगल लोग मिलाकर तब गात  
 है । वे आज से गत छपारने लग जात है ।

देर - भाव	विषय	रुझे	होली	रीती-सु
तेशी	हवे	गुवाला	छग	लेजे
देवग	होवा	चिरे	पाछे	माझा
मर	विषयकारणां	मोर	गाती	बूढी
				कोल-बां-बीर

लाग्या	भावा	लोग,	मचागी	गिर	रगीली
मम-परणी-रै		मेह	कलापण	कही	कधीको
छग	रग्यवण	रची	मची	हकी	आमि
होटा	होला	छाद	मिजाया	बरने	मुरपर
आणै	रंग	बसंग	छाटा	विषयकारणां	निस
आमि	पर-ने	रै'र	रग्यवी	होला	होवा-सा

भाव	पटा	मट्ट	भूमदी	करय	भोझ	बीछाव
होवा	छोटा		बरसबे	मोला-रै		उलिया

पर	हर्ष	र	भूमने,	गदगद	गम	गमम
वरणी	सा	होली	करी	भोमर	गर्वा	अमम

हर्षी	मिस	होली	करी	वरणी	आम	अमम
मर्वा	मलापा	मुरपर		गाती	प्रेम	प्रमम

बाजव	हम	दिलोव-सु	गुला	विष	मर	कोल
हमा	राजव	हर्षा	छाटा	कांकर		कोल

अधी	झिहरी	ओप-सु	बरसी-ना	छरीह
भूत	भरा-री	मेप गी	बीज-बीज	झिहरीह ८४
ख-राबा रै	पाव-में	पांगरबै		बयाराप
फै सुहाबा	फोगडा	जांसुडा		बै राप ८५
फोगां	फूहयो	फोगओ	होखी	गयी
तकई	रपाबै	तीजबयां	फूत	शुहार
				जाव ८६
फूतडा	चूटे	मेम-सु,	गीत	रसीसा
मांरी	धीरां	गबर-सु	जिसडा	बर दे
				माथ ।' ८७

### चंद्रावणा

हरिया	फूतडा	बीया	सहेर्यां	मूखरां
चित	बमकयो रै	पाव,	अर्थह	बर
भूबी	मेड़ी	आय	काही	रै
मीला	गबै	गीत	आफूस	मन-तीसप्यां १

करां	पखी	आहान	मुसीम्यो	संकरि !
पूजां	मो चित	साव	यांरोडा	झिहरी
रोम	बडाव)	फूत	मेम-सु	मूकती
बर रै,	बर दे	मुखी	रब)	मित
				फूकती २

तयो	रसोई	राव,	लुगप्यां	रू मयो
झमेड़ी-रो		दिस	मायेतां	बूचडो



सुसट	पञ्चरी	लाट,	सांसी	बन	गाभियो
धिसो	कव	करमीण	कुञ्जस्थो		ठाभियो १

बीमै	मृती	पैर,	बसावै	बोर	सो
सामगरी		सामेठ	मचावै	सोर	सो
मीठै	मोहन	साध	मिसावै		वरपरो
वे-सुरो		मरवार	पूर	रप्सी	परो ४

काखो	कोपर	कय,	अमलियां	आगलो
होठै-रो		इम्मार,	क्यू काखो	आगलो
ठुकराभी-रो		ठू ठ,	ठागी-मै	सांतरो
बोयी		हाङ्गणहार	रुक्मणो	भाँठरो ५

‘पातलियो		सिरबार’,	फमे	इव	फूठरो
पोहै-रो		असब,र,	घोठीहो		घू ठ-रो
मायां रो		बडबीर	सजे	सा	फैम-मै
पे’पब,।		बरमाण,	रप।	म्हे	मोज-मै ६

बांघे	पचरंग	पाग,	छबीली	बाछ	है
मृती	मूँचे	मोछ	मोस्यां-री	माख	है
बैरपां-मै		विरूप	बछी	क्यू काख	है
धिसडो	बर है	माय !	गले	अय - मान	है ७

धरा	पर	परपीत	जाणै	मा	हैबखो
नेम	धरम-रो	बैण	जगत-मै		केपखो

मात - भोम-रै	इठ	न मन	माछे	हुबै
माभीछ-रै	हीदै	मही	छठे	हुबै ८

छेय-वेण	बीपार	सेठ	बण	खोखया
छाँची	राखै	आण	भूठ	महि
हुकां	राकयो	साख,	गुणां	मम
मिछड़ो	बर दे	माप ।	मायसां	बाब शो ६

मागे	सासर - पीर,	हुठम	सौ	कोह त्पू
माय	बाप	मखब त,	सुखर	धिर-मोड़
मयबखदी	मखराख,	आस	अमना	मिखी
जय	गवरी	जगबब !	सदा	पूजां
				मिखी ८८

अठी	उलै	अछ	'करय' देब त्पू	करां-रो
जबजै	जर,	सुर-बोझ	'खोख' पी रीस'	करां-रो
दिरियां-रो	पर	बीर,	अगत-मै	प्यारो
बिसरै	बखारय	बीर,	सदा	परमारय
काख	अयरा	माय	प्रेम - नेम-रो	पाखड़ो
मिछड़ो	बर दे	माय ।	के	पूढो के
		गहन-नै		बासुअो ८९

देयो	रोरो	आख	मंगलां-मै	मयकाबै
खोखपां - सु	कर	राख	मीकतो	मोड़ यपाबै
करै	कहुपां	काद,	पाखड़ो	रुपै
बीन	मरां	दे	कराबै	खोग
		दुखर		इंसाफी

अकदवाज मूरज असल जो  
जे'दे घावन-सु सहेर्यां

गाबै सोण्यां गित,  
मांस तीजवयां गबर  
मांग भया बरदान  
बबडी सदा बयाव  
सुग-मन रंजय पग-पग करचो,  
आजा जेथे लखव, आंज ता,

अखहुंती माकल निरे  
असगी अमी - सु रे ॥

पैराबै गैर्यां प्याय १  
बडाबै फूल कुदाय  
आरसी पूजा करायी  
आंगस्ये आखंड मरयी  
कुन-मै जबरौ हरस है  
दिन सो बीत्ता बरस है ॥

अस्यो हीरां हीडणै  
पकड़ तरपां हीडय बगी

अस्यो बडी अकस-भर,  
हारां बडी देवती

गबर शुभादा बीच में  
बोहा - अट हुडाव ता

पकड़ी पण बंदूक,  
हाडी छे गल होक  
पूर होकता मार  
बरण चाप दे थोक

तीजखियां-रो हास  
कांकी लेख बिलोक ११

मुक-मुक मारि मूर  
फिटी कलावस दूर १२

बिठी दरसण देख  
मोह ममरिये वेश १३

पटाक सलखस हुडय  
बजावय सारु जूबया  
गपी मियगोर जिमावय  
पूरयो बगी बडावय

भयल्लग अठ भिसो ही आयी  
शम्भ मोठ-महीरा हैपी,

भीसर ! छेवण गोरण्या  
पूजा भिसकी गोरण्या १४

भूर पाव धूमेर-सु  
गेठ पुटाव गेरवपां

गव 'गवरो' पीठ  
पुवसां रुकी रीठ १५

'बैठ बिदवहो कियो,  
पेगां पणी पिटास  
छोरकिबे रा टोप  
पववा कही पूस  
भीली भिसा भिसै रंभ राणी  
बिन वरसा हरियाली हुयो,

हुयो बंगल हरियाली  
आमुषा छम - छमाही  
बडया पर सीसा-सीसा  
बमण ब्यू बमडे पीसा  
छगा-भिमां किठ बोख है  
दिबडे हरण दिबोख है १७

पीसा ओडया पोमवा  
मासे नासे कूडका  
पीसी केसर केसरकां  
हसरी हरियां रुखकां

केसां गय रपां - कोड  
सीत्रशिपां - री होड १८  
मानो सोणी साग्र  
गवी कजायण नास १९

कांट किवासी रीत्रकां  
मिही-मिही केसर भिसी

सोब सागरही  
निम मर निडलठही १००

ह्वाब टावर तोड कर  
साग सल्ला बासिया

रीमां पारो - बाद  
सागरियां-रा १०१

राजी	अंगद-में	रमे	गवासा	मन	हरकत
रक्त-रीक्त	रागां	करै	ठंडा	मोहा	रक्त
ठंडा	मोहा	काय	पूनी	बाबै	वारी
मारी	सोरम	मिठी	कभी	भर्ता	री न्यारी
रंग - रंगीला		पूज	पोगा	पूनी	बाबी
जाटो - मीठी		बाबू	करै	मानस-यन	राजी

जबरा	जंगल	रा-बती	मति-मोहा	मिठ-मुक्ता
जै	भायस	बज्ज	मोरी	मारी
		मनां		मुक्ता

किसकी	कातां	कमी	पयेरा	पज्ज	बाबै
आका - सीज		अपूज	ठावरां	अप्य	रचावै
पर	ओपै	आजा	आख	देव	मन-मासा
'विरध	विनायक'	धिसा	वनोरां	बज्ज	पाबा
छरपर-में	मंगल	हुचो	मीठा	बाब	सीज
बाही	छोछ-सारंगी	छामै	मुदयां	गीत	मुनीज
कठै	बरातां	बहै	कठै-सू	पाबी	बाबै
कित	कूगबड़ी	बंघी	कितै	कगबिबो	गाबै
बंघरी	बरघी	कितै	बिधी - सू	अप्य	कगबै
सैछ - मनाबो		कितै	कितै	समदूखी	छाबै
कठै	बज्जारां	धिमख-बारां	कठै	क	वग्नोर-पां
वरणा-सोग्यां	हुचो	सोरलो	कमतर	जाती	पर
					बडै

બ્યાણાં, સ્થળાં	બુદ્ધિનાં	સોતે	સૈત્તો	સાલ
જેઠ કમ્બો, કપ	શાશ્વતો,	ધરણ	ધૂપ-સુ	બાસ ૧૦૬
બુદ્ધિ	હીના	તાવકા	ના	બુદ્ધિયા
ધિરણ	દુરોગી	કુદિયા	કર	વચ્ચર સો
				હીન ૧૦૭
પૂન	પાપણી	ધરણ-રા	ધોર	રહી
પાશ્વ	ધોર	ધણો	ધિયો,	ધરણ
				ધરણ ૧૦૮
ધોરાં	ધોરી	ધાપકો	ધૂમી	રુધી
ધાપી	ધરા	ધાપિયો	ધણ-રો	ધરણ
				ધનુષ ૧૦૯
ધેર	ધસુમે	સા	ધીકર	ધરિયા - ધોટ
રણા	રોહીલા	રધી,	માત્રા	ધુધ
				મધીઠ ૧૧૦
ધોમા	ધોમા	ધે	ધીકર	'ધ' ધે
ધાપ	ધાપ	ધેવલી	ધાં-રો	ધારી
				ધેઠ ૧૧૧
ધેરાં	ધૂપર	ધેરિયા	ધિન	ધામ્-રી
રણાગ	કરણી	કોટ-ધે	ધરણ	ધિસાસો
				ધેઠ ૧૧૨

## सुरधर-मंगल

मिमल-जात-रे समारे-में मेरु चोक मोठो बामूलण है । मेरु-रो  
 पूजो नाच बोलता है । बका-बका मुखका-में माणस मेरु-सु रबै  
 है प्रम-सु पर्व है चोक-वृक्ष-ने बाबै है, वै बेस ही सत्ता फलता-  
 फलता आसव-में मूलता रबै है । दूसरा फूट-कम्बै-रा पर दर-दर-री  
 सुरत-बाह-में बल-मोका अजब हुम्बाई है । सुरधर-रा मनषी मी भिसे  
 मेरु और पुरखे प्रेम-सु रबै है के सुरधर मंगल-रो पर ही बयानो  
 है । राजा-रइबत, भीष-बा-मणी मखिया-अयमखिया छोटा-मोटा,  
 आका पुरख मानो प्रेम-रा पूजा है ।

बारका गांवका-रे गिरस्त-री गाइब बेक्यां बेबां-रो दिवो ही  
 हरक-दिहोई दिहोछां बड ब्याबै मिनका-री तो किरक बाट है ।  
 हुकां-रो नाम-मिसाण कोनी सुकां-री सरिता सी बबै है ।  
 मबलका बोका, गूबकां चूट, गाथा-मैस्वा-रो बीयो बीयो सफल  
 बया बैबै है । बीकाली भर चूबकां परां, बिन्दु-रा माठ,  
 सोखना-रे छाब सुरग रे किसे सुन-सु रूप है । चूबा बैठा  
 मांगवी बूछ बैबै है । भिसे है म्वां-रो सुरधर मंगल बैस ।

बल भूँडा धल भूँडा	माटी नबले देस
पुरल पटावर भीपने	अइ हो मुरपर देस ।
मारु देस अपनिया	सर भ्यू पापरियाइ
क्यूवा कड़े न बोसही	मीठा बोसणियाइ
सरबत-मरिया फल सजे	बलवट टीकां मध्य
अल भूँडा, नर भीपन,	मुरपर सइ समरप्य
घन परबत घर-बंभया	मयां न रतन-धाम
सीझां, सिछां सोइझां	बोर बिलां बिसराम
दारु, भमल, मिठाइयां	सोनो गहणा, साइ
पांच ओक पिरची सिरै,	बाइ बीकाणा बाइ ।

बाइ सी बाइ । हवावां-में हंकाट आगता रबी है । किसीक घरसवा । किसीक सहरवठा । और किसीक भाबुकठा । रकम रकम-रा बाबा अर रकम-रकम-री रागणी गासीझै—

मुरपर म्हांते देस म्हांते बाबो लागी जी

माइ-रा ममा बडे रजा राम-री, मुरपर-में मंगल रमे है ।

यइ	अंगल	देस	हमारा	है
यइ	मंगल	देस	हमारा	है
यइ	हमें	प्राणमे	प्यारा	है
यइ	मुरपर	देस	हमारा	है



## मुरधर-मंगल

गावक-सु है गांव      सहर है सो'या मारी  
मुक्त-सु धरिवा नास,      सखी रण्यर्ष मारी  
बोला बहर - सुभाण      बसे मानव मुद-सेबू  
सत-रव भाभी - बार      मिहै मै'मा-सु मेसू

बैन बेठ्यां साब सहीना      बाबी बाता प्रेम-सु  
मुरधर मंगल सरबादा-सु      स्या सुभाबिक नेम-सु १

गांव कई या अमरपुर,      देवां नरों निवास  
भाग मखो भिय भोम-रो,      बसिवा बसती बास २

सुबा से माबस बसे      मोला भूप मिनाठ  
'सहर-महर या करे      'मंगल - अमल साठ' ३

बर पर हुआ गेवडा      पडवा दान मकान  
कोठ्यां बीपी सु पत्नी      ठंडी लुपी बान ४

आगे अलसा ठरिया,      ठर-बाट बर कोट  
सुधर बर मंगल करे      बाका राखे कोट ५

केलां ब्यू केलां कही	ब्यूभी धयी अडिमा	
मुरपर मगल कारणी	अरज करणी सिमा ६	
टाली पीपळ पाळता	गाझां आळ बपुळ	
रोही रोहीदा फळै	आळ फूटय फूळ ७	
हरिया-भरिया भीद-हर	त्यरा जियां अफीम	
मुरपर मिमलो-रै कदा	हाजर नीम इफीम ८	
आळ आम सा संवदा	ओळव सिरसा बीज	
जळां नीकलीं बीकली	रुची बपकी बीद ९	
जालीं पर खासोटिया,	बनी-रो कितो वसाण	
आवळ-रो मेवो कडू,	दे मिसरी दीआण १०	
गूरी हूची गूदियां	दीछा फेसर हूय	
भीमी सा मीठा अजब	गजब रसीछा रुंय ११	
टीपां-री यू टोमियां,	ब्यू टोळां-री टोस	
रुची रेठां राजठा	आडाबळा मळास १२	
इगी धैरयां हर दिना	बबका सेव योगन	
मन दुबसा माणस मित्रै,	ब्यू घर-रा मैदान १३	
ना बंगस - बिहार,	नही भिसकी बभोई	
मा मंदराज - पञ्जाब	सुजक भिसको मा बोई	

या	असाम - लकीस,	मुर्का-सु	हमी-मूमी
आखी	अस्ती	मनोहर	मगल
फूली-फली	कझायल	बखी	बखार
तीन लोक-सु	मथरा	सोना	सोहली १४

राजस्थान	प्रवेश है	सब	बैसा-रो	माण
अजय	अच्छाको	तनिक	न	सर्का
हूँ	राजस्थान	मुरपर	मगल	बैस
सगली	बात	सगाय	भासा -	मेस १६
भाट-बारदा-री	जिपा	सुके	ना	सरिदा
मन-भरिमे	मुरपर	कस-कस	में	कमिता १७
सहित	राजस्थान-रो	आका	रसा	अपार
विश्वों	बीर	आव	अस्त	अदर १८
मारवाड़	मम -	बोलीजै		बोली
सबदा-में	मीठास	ब्यू	मिसरी	धोली १९

## गीत

माणस	मिलत-सार	मन-मेद,	कनक	कटोरा	केसर	पोस,
गांव-सहर-रो	मदी	शुमान	मुरपर-र	अ	मोछ	बोस
			सोखा	पुरस	सपूत	मुजास
			मिखिया,	ब्यू	मिखिया	मैमान

क्यूँ रे बाबा ! काभी धौरे

सीरी - सीरी बगै वगारी  
रोपी आ खेता-में जभी  
हरक मरया दिव नाबै मोर

साबै छि परदस पोदबी  
कुरजां काग-सूबटा सामा  
'धेर-मुमेर पीपली सिरसा'

मात-भोम-रो माण जणाबै  
उबी रैबै बिहव बलाख  
'जंगल मंगल देस हमारे'

साबल-री मन-भाबण तीजां  
गुड़ी बालू गूपरी श्याम  
'गुड़ी बलै गुड़ो रोबै

८  
पो फग्यां हरजस परमाती  
हर-पैसां रो हरि गुण गुण-गुण

खरक्यां-रे साबै-रो मोल  
मुरधर-रा छै मीठा बोल १

हरियाली-सू ओपी ओम  
देख घना किरसाखी ओम  
कको-क-का' करे कबोल  
मुरधर रा छै मीठा बोल २

सायबणां मेधै सहेस  
काड कासम्या देखै पेस  
गीत फणा अबसुत अनमोल  
मुरधर रा छै मीठा बोल ३

कदियां-री हे आबू बाण  
गौरवता-रा गाबै गास  
हरया-मरया छै मय सतास  
मुरधर-रा छै मीठा बोल ४

धीवदियां मिल जोबै जाय  
मोदण गीत मेहां-रा गाव  
मेहा मुरग्या होलाहोख'  
मुरधर-रा छै मीठा बोल ५

मर ! क्यूँ सोबै जाग रे जाग !  
सोखी सात रसीली राग

मुहर्षा-रे मुक्त भजन मीरजी

आपस-में सै प्रेम भव-सु  
जी-जी कर बिबड़ो हुलसाय  
बल बीरवल-पातस्याह-री

सारी बातें छट मुर्खा-रा  
रेल, नहर, नहरों आ ब्याह  
'बम अंगसपर अतस्याह-री

बरणी-भणी मीत-पर मन-रा  
बीर-बल बानी हुनिर्वा-में

बीकानी, कांबळजी बिसुक्त  
आत्मासम वा नां करणी-सु

'मधो । बियो गोविंदो मोल  
मुरघर-रा जै मीठा बोल ६

रेबां सुस भायां ब्यू भाव  
होय होय हवायां आव  
मुर्खा-मुर्खावां सै बिल कोल  
मुरघर-रा जै मीठा बोल ७

भलै भलेरी घणी बियाप  
बाव आ ब्याहै अपोभाप  
कमा-कमा सुस मन-रो बोल  
मुरघर-रा जै मीठा बोल ८

बीकनेर भिखी - रो नाम

बंका बीर राखेद रखां-में  
रेबतदा सिरमेद घणां-में  
बिख-रा बूँचा बूँचा काम  
बीकनेर भिखी-रो नाम १

बाठ बटेरी मानस-बाणा  
बीकनेर बसावण - बाणा  
हुसमी बसिया बामोबाव  
बीकनेर भिखी-रो नाम २

राजा राबसिप सा हानी  
पाणी - पूरी सूरी बाणी

गिरयोराज सा कबी हुवा है  
सबद नीबला भयर हुआ है  
माथी पृत 'पते' सा ज्ञान  
बीकनर भिखी-रो नाम ३

जायारख सी बात नहीं ही,  
आखइती रजपूती राखी

ओरंग-री ही रीस अहिमी  
आली डिगली 'करण' अहिमी  
मुप देवा-से भिम्बर नाम  
बीकनर भिखी-रो नाम ४

गवद मुगल-दख, पद्म-केसरी  
साह सभ्य-रो अंघो हांघो

तेज सिमां ग्यु ठाव, दिवायो  
हरतो बांगर तियां दिवायो  
तुरंत तोड़ ही रीस तनाम  
बीकनर भिखी-रो नाम ५

बाग-पग पर मुपवर पगतापी  
नहर महर कर टीजां टोरी

बजद निरमल मीर बहायो  
पावर माथे फूम लग्यो  
झिझमी-रा घर पखम्या गाम  
बीकनर भिखी रो नाम ६

बिद्या-सागर आगर गुण-रो  
'रेल' मेल कर महर मुकक-सु

बगल-बजागर परजा व्यारो  
फोको मेट गयो जानता-रो  
से मन बरमारव-रा काम  
बीकनर भिखी-रो नाम ७

जाँच - पाह्य जास्त तशी पहाव  
 टोडी - डोडी खाँच्य टोडी - टांड कुडाव २५

बसन्ता - मैं बाधिया रोपने लकी हाटी  
 गाएक बटे किसान, बर्षा-री कुटी टाटी  
 पादु बाटी पाद, सेव बर बाधू बाटी  
 छोटा गाँव। माँय म'बनी मा बान माटी  
 बोरा मूह बटे बर बोरा कुरिया-ने बान सेव बा  
 हरे कबापण-री किसान बर पाखा कम क्यू सेव बा ? २८

सुरवर-श मायस निरर      वर      योवर्षी      मोव  
 बावै भवव भाव-री      सम्यत - मता      कम्मप ११

कारकाज	कटकाज	कफ्या	बडी	करोडा
देसा - देस	हुकाम	मीनकी	ठोडा - ठोडा	
भरणा - करणा	माका	बस्तुभरा	बेबे	सारी
सुरपर	बिछमी - पूत	ममाका	रुनी	भारी
बिन पूक्या	बिजापत पूक्या	मातराक - रा		मानवी
बरम करण - बै	हुया मामी	र-बुर तक	१	दानवी २०

अन्धी लड़ो अजस  
 राग - रंगीली पणी  
 सोने - हरा मौख  
 भिसदा कछू कुबेर  
 किसो बगारीचै परा-रो  
 मन-मन छिछमी बपै सहरा

नाभी, लाती, नाथ  
 अपणा - अपणा काम  
 हरजी छीपा माट  
 कूभारा माध्याह्न,  
 पटा धाव अेष करै  
 छोड काम आप-रा आपरा

छोटी - मोटी सातकपां  
 भिनल जमार - मै पणा  
 कार करै बेसा बणै,  
 भर सेजा भर सीरपां

विहव पामपां बडो  
 करै आप-रा काम  
 कभी मीकरी करै,  
 काम किसा ही करो

मरोला - होडा मेझी  
 बणायी सेठं हेझी  
 सत्रापा साहूकरां  
 गिनियां मरपा गुमार  
 नदन - बन सो सुल पणो  
 ओ मारी सुल भोगखो ३१

सुनरां और छुहरां  
 किसब-सू म्यारा-म्यारा  
 गुसापा, बोम्पा, साम्यां  
 बझापां घोरपां बांम्पां  
 के साधू, के सेवदा  
 सामै जेझी - जेवदा ३२

जायै किसब अनेक  
 बतर जेक-सू - जेक ३३

रुझी रेजा कल  
 बेम्पा रात रात ३४

आपरा सेवा सेती  
 लरी बीमासे सेती  
 दिसावर कभी दुकानां  
 अन्ध - मै मोटा मानां



बडा	हुया	बाछडा	सीबबै	इझिया	खेना
बावे	पेहर	बाम्ब	गुडाबै	गाडी	रेता
जूतै	भुग	मजबूत,	पीठ	पजासो	रासै
बूझो	नीर	निकाळ	कोठ	पख मै भर	मल्ले
पोवै	आखा	जीवडा	खगु	गावै	बज्जरा-ठणै
बरे	बगी	बसव	कतामख	पाबस	भर घोरस
				पयो	५

मैस-रो गीत  
( हास्यात्मक )

मंझाय री मैस भवानी है  
सुरघर-री मझ मेह राणी है

काही आँखियाँ मैस राखी है  
सुरछटांसु कल काले है

जासै खेबित भू काही है  
छाँयाँ बेठी मसतानी है १  
सुरघर-री मैस भवानी है

जिण-रे पर-मै आ राणी है  
होकी सो हरम हमेश रबै

भुण-रे परम बल्लो बायी है  
पर मै भी दुष-री काही है २  
सुरघर-री मैस भवानी है

बूझी हुया मरजाबैली  
मरियाँ भूछरसी माकक-नै

तो भी अब सुख पोंबावैली  
अब काँबी लाव पयाही है ३  
सुरघर-री मैस भवानी है

पाखी-सु जीयो जाबे  
 चिख-रा गरमी-में गुण गाबे।

चिख-रा कटडा तकड़ा होबे  
 नाच-में सब सबायीजे

आ हरिबाणी-सु है राखी  
 पाखी-में आय बिराजी है

पाख-सु भारी माता है  
 बड़-सु किसान से पाखी है

पी बूझ-बड़ी चिख दे कबो  
 छस-रै पर बड़े न मैस्यां हो

भरै मन होयो सोच कबो  
 हूँ बूझ पियूँ बे-बई रबू

सैजीब-मियां-सु सुख पाबे  
 बड़ पीयो जाबे पाखी है ४  
 मुरधर-री मैस भबानी है

मे बड़ा हुबे बड़ मन बोबे  
 उमर होयाबे पाखी है ५  
 मुरधर-री मैस भबानी है

बरछे जाबे भाजी-माखी  
 तो बूझत छिरे बिराजी है ६  
 मुरधर-री मैस भबानी है

बाखे मखली-री माता है  
 मिटगी सा लैबाखायी है ७  
 मुरधर-री मैस भबानी है

पकवान मख भी बणबायो  
 बो बेले मैस्यां कानी है ८  
 मुरधर-री मैस भबानी है

होयूँ मैस्यां-रा मगल पबो  
 आ-ही आछी बिदगपखी है ९  
 मुरधर-री मैस भबानी है १०

मूरी	कासी	मैस	बूझ	बैठी	भब	मीछे
बापर	जिसदा	बड़ी	किसी	पसु-गे	ना	दीछ

मानो मीठी लीर,  
 प्राप रबै भिऊ बाढ़  
 गाबां - भैंस्यां - धी-सु पणै  
 सीरा सरब, मिठयां सगली

छावतां दिबको हरसै  
 दूसरी बेकत तरसै  
 जोबां बे-ठाहाद है  
 सरस सख्खी स्वाद है ४६

बेबड़ बबै अपार  
 ब्या बाबै दो बार  
 मेढां ततरे कम  
 दोबड़ खोब कियाह,  
 बाबड़ कामळ मळी पटुका  
 पकरयां बाबा वखै बोरा,

मेढ-बकरयां मिस भारी  
 बरस-भै आयां बारी  
 बखायां गामा सारा  
 कामलां धौर लुकारां  
 परां बणी दूटे तणी  
 बिस्य बन-सु पैदा बणी ४७

पर चोक्यां खोक्यां  
 क्यकत रब-बैस्यां  
 चोका पच - कल्लाख  
 बातां करणाबाय'  
 मेढां - मगरिया - री बौड़ा  
 नुमा भूट कनीती आबो

चणोरी गाढयां गांवां  
 सजायां ब्याबां-साबां  
 दिखदिये खीसा रावा  
 तेज-सु माथि ताता  
 पोडां नाम सुबाबखी  
 पुङ-बोकां मन माबखी ४८

आछो भूबज बैस  
 चोबा चानय चोक  
 खा - पुरसा परबाद  
 बह - गेठय मारयां

बयां पर बापै येकी  
 ममोहर चूंबी मेकी  
 बाबका प्रेम - बटुया  
 सस्यां भू सोही भूबां

परम-पुन में बगी खजाऊ  
गंभी छापो पर-पर मंगल

सीख सकल मिगार है  
खंगल सुख-रो मार है ५२

खलहरबामी बाप  
राम-बखस सा बीर  
भाभी - मोसी देम  
भीसर - गौरी मिसा  
मारु अठे अमरु सा  
मुरपर-रा मर मैल रखे

मात ह्यु राताबेभी  
राधका - सी भौजाभी  
वमोभी गायबभल सा  
रबी हम्पति मलमल सा  
कंवर कहां-में बखल्यु  
बघे कहुबो बेख ह्यु ५३

साबतरी सी सास  
सुसर जिपां सिर-मोड़  
पो - रे तारे बठे  
बहु बडोड़ी बैठ  
मणदां बिच बिच पुरसती है  
मेठ, जेठूहा सास - सपुता

बिछोई सोबल बामां  
बकल-रा है बी बामां  
बीनपी ज़ाटी - जोरी  
रसोयां पोबै रोटी  
बमितकां - री पांव - में  
बीमै मंगल साय - में ५४

लिचपिच बापसकी  
तबब तीस - बरीस  
पीडा साब - गुब्बाब  
धीबड़ पासै लास  
फोचसां खेजरां फसियां  
बकी पकीकी बडी रायदा

तीन त्यूहारां ताभी  
सोबमा बालां मांही  
डाल, पर भाजम डेंचो  
बीक्यो करयो पूचो  
सुकां सागरां बाब है  
मंगल ह्यी राब है ५५

રંધી	ગુજલથી	ઘીર	ખુપર	સઘર - બી રાજાં
પતથી	પોથી	પુષી,	મૂગ	મોઠાં-રી વાણાં
હરી	ઠઠમઠો	મૈસ	મૂઠી-રો	મન-માણો
મન - હંધી	મનવાર,		મુગલ-રો	બીમલ બાણો
ભારી	વાણાં	કરી	ઠાટ	હથી-રે
આપા - ગમ્મા	બઠામૂ	સીમી	મંગલ	મુપર - વારણી ૨૬

અમલ	મુપારી	બેઠથી	હાકાં	વિદ્યમાં	વાવ
મુરબર	મર	કરવા	ના	ઠાથી	અમ ઠાં ૨૭

કઠે	અમલ	બેઠ	બાંમલ-ને	ઝલ	મારે
કઠે	બાંમલ	બેઠ	અમલ -	નલ	હતારી
કઠે	અમાલ	બેઠ	બાંમલ	મૂમલ	ગર્વી
કઠે	મિતેલ	બેઠ	બેલ-રી	રલ	બાગાળે
કઠેક	મોપા	હંદ	કઠે	કઠીરી	વાણિયા
કઠેક	મુરબર	મંગલ	વાવ	-રી	પલ વાણિયા ૨૮

રહવા	મોધીવાર	સુ	વિમ્ -	મૂલમાલ
મુરબર	મંગલ	મોઠાં	મુલ	દે મુરગ સમાન ૨૯

## મુરબર

મુરબર દિઠનો બળિયો સોણો  
 ઝિણગો કિનનો રૂપ સલોણો ૧  
 પાળી મુખ - દેખાણ બિરાથી  
 દૂપાં ઝિમકો માઠો પાળી ૨  
 હર મજાણ બીધં-રો હેરો  
 ખન - ખન રેતો મોમ પળેપે ૩  
 સોલા રેતાં રૂપ - રૂપેલી  
 ચમચમ ચમકે પરા મુનેલી ૪  
 મ્યાન મુળાં-ગે મરતા હેરો  
 મુરબાં ઝિસદા સામ્ય - સહેરો ૫  
 રૂપો છતાં ટાચની જાણી  
 જાંબ - મેંચ દિવ વડે બનોલી ૬  
 ચમચ ઝિણા દુખ છતી ઘવાણ  
 લો લાભે મર-હતુદ હકાણ ૭  
 રો રો વડણવ તિજની  
 હરી વરત્ત કાણા ટાંટી ૮

पड़े पोद मी'ण के पाखो  
 हरां स आ बाब बनाखो ६  
 छोटा-छोटा दुस्स बयाबा  
 मिथ पर मोटा दुस्स खगाया १०  
 म्हांरो मन मुब भोगवाखो  
 मुरभर मिथियो बेस निराखो ११  
 बसर्ता-री आ बिमती दुस्यभ्यो  
 १ करता । भितरी किरपा करब्यो १२  
 'संस्कर्ता' पू करे बिचारी  
 बलम अटै हो बारु - बारी १३

## शब्द-कोष

अ	अक्षपत	अपह
अक	अक्षसाथी	सुरमाथी
अक्षपत्र	अक्षपा	अन्होरी पु सियां
अक्षुण्णो	अक्षीकण्णो	बाह सेना सम्पूर्ण
अक्षिणी	अक्षिग, स्थिर	कर देना
अक्षुणीतो	आकृतिमक	अक्षोचण्णो
अक्षुर्नी	आत्मर्यजनक	पाव करना विचा-
अक्षिणी	अमाह	रना
अभोग	अमाह	अवस्रज
अपमरक्त	कमजोर	अचक्र, अक्षिचक्र
अमावस्या	पुरा लगने वाला	अवम
अपूष	जिसे पूछने की जरूरत	अवरय
अवेदरा	न हो (सुख)	असताल
अमराव	उदा	गहरापन सुरीलापन
अमोक्ष	अमराव, सरदार	आ
असगूषा	बढ़िया अमोक्षा	आकरी
	बंशी की तरह हो	छोने के लिए की हुई
	नाम की पेटो ओ	नीची जगह
	मुँह से बजानी	आकृती
	वाली है	गिरती हुई
		आकाशीज
		आली
		आंगम्य
		अगदाचार
		हलपारी (आगदा
		-हल की मेल)



आमिषा	पतिग
आंगो	हनका
आंगु	संख्या
आय	आदि, पक्षों की
आज्ञा	एक नक्षत्र मेह के दिन
आपो	अपनापन
आपो भाव	अपने आप
आवरु	इज्जत
आम	कंसि
आभा	प्रभा रोमा
आरिष्यरीत	आर्यों का रिवाज
आठकी	कम्हा मरीरा
आर्क्षा	अपस्तता से मन्त्रक से
आश्विनागोत्र	प्रचंड बाहु

अ

अमीमी	अमृत
अमीका	गीता आश्चर्या
	अ
अनादनी	करोड़मे बाकी
अजलो पानी	इज्जत

अम्बुजा	अम्बुज होन
अम्बुमुण	अम्बुन अम्ब
अम्बुबारो	आम्बु
अम्बुलो	अम्बुका
अम्बुनी	अम्बु
अम्बुई	अम्बर से
अम्बुनो	पटल
अम्बु अंग	वायु रचित अम्बु
	अम्बु निराप
अम्बुलो	मुन आम्ब
अम्बुलो	अम्बु-अम्बों की बोली
अम्बुलो	अम्बों के छोटे अम्ब
अम्बुलो	अम्ब अम्ब

अ

अम्बुलो	अम्बु आ अम्बु
अम्बु	अम्बु होने
अम्बुलो	अम्बु
अम्बु	अम्बु
अम्बु-आ	अम्बु अम्बु



करणी	करमी
करता पैदा करने वाला ईश्वर	
करनवा	श्री करसीत्री
करमीय	अभाग्य
करसाट	कुरखाना कच्चा त्वर
	में आवाज करना
करछोप्या	अंत
करबल	अंत
करसा	सेरीहर
करावा	चार मरमे की ओप-
	दिया
कजप	कल्प-वृक्ष
कजपसो	कुड़ना विद्यमानता
कज-व	बाध
कज	कलिकाव
कजोव	सुरी
कस	हक, असमय
कसियो	बाध मितावने की
	सुरवी
कबुका	सिनों का कबिहाम

कंठली	कमलों (कमल का बहु- वचन)
कन्ने	मोर की दोखी
	का
कंगरा	वित्र
कागसिबो	बंवाई का गीत
कागरोटी	एक छोटा पोषा
	जिसके बिकने
	पत बर्षे खावा
	करत हैं
कागोल या	घटा के प्यारे कलबे
	बाड़े घुंवे लेंगे
	हल्के कलब
काछकी	छ गोटी
कंठली	कजपस्य काको घटा
काठो	बढ़, मजबूत
कमल	विशाल
कादरो	कलब का राहु एक
	काड़ा

कावीसरो	फलों की फसल के काम
कामर	रामदेवजी के पुतारी
कामर	कामरी छोई
कासी	पुरी, भनीसि की
काल	हुमिच
कासी	कलायय का विरोपय
कापो	बेर, बइसा
कांस	बिता
	कि
किहरी	सेबिका
किच	किसने
किपय	सूम
कियां	किस नह
किरको	साइस
किरहा	गिरगठ
किरना	फलों का पक कर गिरना
	की
कीकर	क्यू कर १ केसे १

कानो	किपा
	क
कचना	कचना
क बाजो	क बकी
कमजुर्गा	कमियुग थे
	क
कचना	पुकारना
क क	पुण्य रख
क गबकी	कक म-पत्री
कही	बाध का डेर
क ठ	दिरा, तरफ
कड़े	पीटता है
क क	कैतों में बल इकट्ठा करने का कद-का
कनामा	बज्जलना
क बकी	बाबकी
	के
केका	मोर की बोली
केकी	मोर

को

ला

कोखो बागसी मोखी  
कोठो कुप पर पानी ब कोठ  
कोड हर्ष  
कोडणी कुप रोमिणी ( घटा  
को दशाहना )  
कोमल कोमल गरम  
कोर गोठ कनारी  
कोरी चित्रित की

स

कधीस परिभमी मुबक  
कमे पास  
कपरी मतीरे के दो भागों में  
से भेक, कपरी  
कप सत्य  
कपेसयो करेना, फेकेना  
ककग करना  
कक छसी  
कककल कक कक कोर से  
कानी की आवाज

काखी भाख्यो हुरी कगना,  
कावर लोका लहु, कंची नीची  
काहें

काहा प्रचरद का  
कानी कानी, तरक  
काखिया कले

लि

लिख कब

ली

लीक मझी पर बेरों से  
पहले जयने  
बाखी फूली  
लीपा एक पीपा  
लीर काकड़ी पारिबो बाखी  
ककड़ी

ले

कोरखो

साफ करना

कोल

कोल गिलाफ

कोल्पा

में से

केड़ा

बस्ती गांव

क्रेट

बर्ह

क्रेत रहस्यो

मरबान्त

रेम

सबन करके

लप कोठे के नीचे पशुओं के

पानी पीने के कुरडी

लेख

कपड़ा

लै

लैचा छणी कपड़ों पैसों की

बीचाखन

लो

लोखर

लंकरीझी जमीन

लोख

लंगल

लोखियो

एक मकान जिसमें

कोर की हवा चलने

से बर्बा होती है

भुगतिर

लोटी

भुरी, हुआ

गरब

मठीरे का रस

गरबखो

कूकना

गहड़बर

घटाखोप बाइलों से

सजा आकाश

गिर

पोंग

गहाखो

ससलना

गोखर

गंगोत्री पहाड़ जहां से

गंगा निकली है

गंडकवा

कुसुर खान

गा

गाभो

बपड़ा

गावड़ा

गुगल अम्बु

म्हारस एकद्वारी भावना टुक  
गायकमन्त्र मुकुटीर  
गाइव फवन, रोमा

गि

गिट्या गोड गोडे जाने वाले  
( बर ड )

गिर्यामिर्या गिनती के, गोडे  
गितेरब गीतगाने वाली औरते  
गिभिवा मोहरे

गिरनाथी गांव का पानी एकट्ठा  
होने की जगह

गिरी अतीरे का गुहा  
गिधर चामर मरी इसी

गी

गीरखो गाने को टुक करता  
गु

गुवावे गिरावा है  
गुह समूह, रक्त  
गुहलबो गाड़ी  
गुमार सहजाने

गुर वन बड़े लोग अच्छे  
गुहलीर मेह बकरियों के दूध  
की कीर

गू

गूगरा पु बर  
गूगरी उवासा हुआ अल  
गूड़ी कपड़े की बनी बड़कियों  
के खेदने की पुतली

गू बना गुलगुलाना  
गूखो मोठों के सूखे ठ ठ

गे

गेहियो गावों की टेढ़ी बड़ी  
गेरी कमेड़ी

गो

गोबको पुराने डगका माखिया  
अवारी

गोगादुरी गोगेरी का बोड़ा,  
बोटा बन

गोगे एक लोहार  
गोगे बंदाओ  
गोठ गोठ, बाब

गोफिया गोफना, पर्यर फेंकने  
 का अस्त्र विशेष  
 गेरही सुन्दरी  
 गोरबै गांव के पास का कुत्ता  
 मीदान बर्हा मरे हुए  
 पशु मिराते हैं

घेरत गांवों की गोठ, गो-गृह  
 गोखिया एक बिड़िया  
 गोहखिया दूध हुड़ने का बर्तन

घ

घटाटोप बयड़ी हुई घडा  
 बख्खरी बहुत सी  
 बघ्येरो बहुत  
 बर बजास पति के लिए प्रयुक्त

घा

बन्द कम  
 बाणी कोन्हू

घि

घिंटाळ घोग की बड़ी पूछी

धी

धीनक धोक भाव होखी  
 के दिनों में मर्ने  
 बन्धकार मगारे की  
 आबाब पर डांडियो  
 की छाछ पर नाचते हैं

धु

धुबला गौरी पूजन करने वाली  
 कुम्हारियां एक छोटे छिन्नो  
 वाले पड़े में बीपल रक्त  
 कर पर पर पूमती हैं

धो

धोक अघात का आ शब्द,  
 धन गजम

ध

बकल बहुत आंठ  
 बहुर सुरमा  
 बमल बमल पानी में बलने  
 की आबाब



बमबमना	ठिक्ठिमिक्काहट पदा
	करना
बसंत	बसना, बसना
	बा
बापना	बाबना
बाछो	बाछी भरमार
बास	बाब
	बि
बिचड़ा	फटेकपड़े
बिमटी	बिपक गयी
बिरलाय	बीस्कार करके
बिखरत	बमकते हैं
	बी
बीबा	कच्चे फल
बीरना	बिहारना
	बु
बुबे	टपकते हैं
बुझना	बुझनाम पिझनाम

बू	
बूझना	भूझना खरब भूझ
	होना
बूझल	बाइलों के छोटे छोटे
	सफेद दुब्बे
बूझ	दाने
बूझा	बी का बीड़ा
बूझो	पूरी रोटी मिठाई
	बिरोध
बूझ	बनल दुष्मा टीका
	बे
बेठे	बाद बाबे
बेजड़े	भुग
बेरा	मुसबा
	बो
बोछेर	बारो बो
बोझ	बर्म
	बो
बोझते	मुझ
बोपछी	पू परमा

वर्ग	व	वर्क	वेकव	वठ व
	व		वेरे	वठेरे, टोरे
	व		वोकरा	वाङ्क मिष्ट
	व		वोज	सहर
उबीबी	रूपवान	सुन्दर	वकरा	विनक वनक
वृषवृष	पानी पर बूँदों के		वर्गा	रथान
	गिरने का राज्य		वव	बूटी, संवीवनी
दावा दाव	( दाव बोले		वदीरा	वपरवस्त
	वाक्यी क्यूँ बोले ,		वठे	वहाँ
वाक्यणो	छानना		वठन	वत्न
छान	वपर		वठी	वहचारी योगी
छावो	वाकवा, टोकरा		वव	वव वसी काव
वाकवां	वकरियां		वनवारो	प्रवा का ( रक्षेप )
वाकवी	वाक्यों की परवाँई			ममुप्नों का वार
विक्रक	वधिक		वरकीया	वरकी से वकव गये
विंव	वेबी के गीत		वठम-वाठव	वन्माष्टमी
विव	शोमा कवन		वाका	वाप जुते हुए वो वैव
वीक वीकवा	सुग ( छिर		वांगवा	वाही छोड़ी वरा गाने
	करने वासे )			वासी वाति
वीके	रसियों के वाक, सीकहर		वाकवाकवा	वाकव
वृक	वासी		वामा	वृव
वृपी	वराव, कम		वान	वराव वीव

आन्दरूँ	ठण्डे	बैठाण्डा	६ ठण्डे
आमय	शामन	बोपे	रेले
आइवी	गण	बो'वा	ठासाव
बिनय	बड़िया बाबलों की	अगी	बसवान
	बेद जाति	अंग	पुड
बिनाबर	मानबर		रु
बीआमा	सर्वस्य		
बीरु	बड़े मबीरे	रुमरुली	रुमरना बिहाना
बीखो	अमारो बीचन	रुम मारना	मात होना
बीमतवा	मोहन करने वाले	रुम मारुद	रीतमल की वृष्टि
बीपाभूष	बीद-अम्तु	रुमरको	गुच्छा
जुग	हो अगत	रुमरो	ठपकटा
जूट	बोड़ी	रुमरुद	रुमरुद
जूते	आंटी बाबे	रुमरु	बोरियों का बड़ा पाज
जूनो	पुणना	रुमरां	रुमरु अमस
जूष	बोरा	रुमरुली	बिहोरो
जेई	जेई	रुमरुली रुमरुली रंग	इरुम मरा
जेब	जेर	रुमरुता	बेबिथ
जेठ	अठ महीने की	रुमरु	समूह
जेठो	जेठ का बेटा	रुमरुथा	नीचे का आ
जेण	गोम	रुमरुता	नीचे बतरने
जेण्डा	मरुभूत रसुआ	रु पो	रुमरुकी, बापकी, मकी

भूरे	पुखरे, रोखे	टोरा	गैद के टोरे
भूखण्डो	रमान करना	टोरी	बसायी
भूखरो	समूह	टोका	कैंट समूह, टोकी
भेन्नी	ऊपर लिये हुए		ठ
भोल	पानी		
भोली	बगली कपड़े की भोली	ठमै ना	ठहरती नहीं है
ढाढ	सिर के पीछ का भाग	ठाण	बरमी
ढाढ	बहरो	ठाडी	बड़ी
ढापरा	फूस के पर	ठियके	बिजली
ढाढ	गाय-बैठों के गले की घटी	ठिने	परिपूर्ण
ढिरङ्गियो	बिरङ्ग की तरह	ठीकर	मिट्टी के पुराने बदन
	का थोड़ा बीट	ठूठ	सूके लकड़
ढीढियों	छाटे मुँहिये गोबर	ठेका	सहारा अन्नपूथ
	के बीट	ठेट	अन्त तक
ढीडी	टिपु	ठेलमठेला	मकममकका
ढुलक कर	बलकर		ड
ढूढ	ढूढे		
ढूसा	होने मन्त्र	डमालिया	कच्चे मकाम
ढोक	मीचे से निकलने वाले	डमडम	डोल का राज्य
	बादल	डसाडस	बसों करने की ध्वनि
ढोफरी	छोटे की टाकी	डहकात	हरे मरे
ढोड	पुवा ईंट शैली के ढाँचे	डयाँडयो	बदलों की बोली

बांगर	पट्ट	बामकी	बकी लंबरी की तरह
बांड़ी	मारौ		का बाबा
बाडो	बड़ा	डीकखो	रंभाना, गाय की बोझी
बांफर	ठंडी पवन	दू हा	बड़े झोपड़े
बार	पंक्ति, समूह	दू डखो	ठहारा करना
बाझी	मेंढ	डोबने	डोबे छाहकर से जावे
बाझी	पूछों की छाझी	डोकधा	भाप से पकड़ी हुई
बागना	गिरना		मबरी काटिख
डिडाखखो	बिधाकना रोना	डोझखो	गिराना
डीकरो	लकड़ा		त
डीपो	झम्मा		
दू बो	बार खुटों का छप्पर	तकड़ा	मजबूत
	जिस पर किसान सोते	तकको	प्रमाद, बपार
	भी है	तरुयाभी	अबानी
डेकरिया	मेंढक	तसण	भूमने
डेरो	रहने की जगह	तसतसण	तपा हुआ
डोहरी	बुढ़िया ( कलावण का	ताझी	ताकतवर नबीन
	बिरोधण )	ताण	ताकत, दीबन
डोरमडोर	पके हुए	ताठा	चंचल, गर्म
डोख	हाँवा, धूँधी भूमि	तापकवा	दीड़ते
डकते	डककते	ताण	देर
डाझी	साँप में उतारी		

साक्ष्या	पक्के मैदान	से आने बाबा पानी	
खली	बपोकी, दोनों हाथों को	से	तूने
	बजाना	तोपना	जमीन में गाढ़ ना
ठाब	तेजी	घट	समूह
विष्ठा	दृष्टों तिनकों	अमे	छहरे
तिरणे	तेरने	घाट	ठाट मुख
दिसिया	तिल के पीये	धाम	य म लमा
दिसजत	फिमजते	धांरोकी	भापकी
दिसबारी	पानी की कमी	धावरियो	एक ग्रंथ जहां की
वीसणी	तीज पर गोर पूजने		टोकरी प्रसिद्ध है
	बाकी	धिय	धीरे धीरे चल
हमै	झोप करे	धिरपक बाणा	हमराय क डेरे
हीतर पंगरी	हीतर के वल मीसी	धुधमुहाणयो	कंपकपी काम्य
	चित्रित बहकी	मेकी	दयाइ का छँचा स्थान
हीदण	राग तरबारी	भाग	अंदाजा लगाकर
हुमर	संतु सार		द
तूठ्या	दृष्ट प्रसन्न होना	हकी	रेंद
तज्रा	बीर रस का एक गीत	हदके	हदादे
	जिस हकबाह गत है	हरोगी	दुख महिष्णु
तजबी	तजबी	हमिबा	मह विचे
तेह	तेरमे बाले	हाम्पनी	जबना, दुख पाना
तेह	बीयो को जको में जमीन		

बाँव रुगड़	छोटे छोटे बंजुरों
	का काना
बामोबाम	तमाम
बाय	झुरी
बिड़म	डेर
हुकाब	अकाब
हुमासी	हो नाँवों की बंदूक
हुनी	हुनिया
पुरमिसल	हुमिल
हुबो	हुसल
हुम्सुकी	हुप देने वाली
हुसबराय	हुसबराय
बेदान	बादर, बेनेवाली
होली	रात
होला	चारों ओर
होबड़	होहरा हुना कपड़ा

ब

बक	मोठों के बारे ब फली
	का डेर
बख	बो
बखिबायी	त्वामिनी

बणियाप	त्वामित
बधकिया	ममके
बपक	सफेद
बपठबी	भरपूर
बपाबूयो	बुद्धिवा
बमाबू	होली के गीत
बरकोट	बकड़ियों की बाग
बहर बम्माका	मेघ गर्जन
बापबो	पुत होना
बाम	पर तीव
बामय	एक नरम पास
बिन बिब	बम्य बाब
बीबकियां	बेठियां
बुबली	सुछगली
बुरिया	सुख पर रुपये देने वाले
बूझा बंबर	बंबर का बूझा
बूमा घोरा	पुमेसे बने बड़े बीबे
बूझिबो	बूझ की झुड़ी
बेन	बाब
बोक	बंजवत् प्रहाम
बोकना	पूजा करना

घोषी हुपतै दिन होपहर में

न

नकराक्षी इठकाक्षी

नतखी मुकरन बाक्षी मदनी

नखाक्षी पति

नराक्षी नारायणी, लक्ष्मी

नखी छट के पैरों के नीचे का भाग

बाखिया गिराना

माठी भागी

माख छोटे दाखाख

माटा सम्बन्ध

माय रस्सी

मानरपा पटते हुए मोठों के छोटे-छोटे डेर

निचोड़ मरोड़

जिनाय निराई

निमकर नीम की मंजरी

निरखण देखने को

निराठ बहूत

नीकरखो सफ होमा लिबना

नीमा चारा पशुओं का कामा

नीबत नियत

मीसरना निफखना

मुबेसी मबेकी

नेगचार रीति रस्म (बरसना)

नेहो निफट

मोरता नबरा

मोरा प्राय मा, निहोरा

पड़ पावु जी के पराक्रमों के दरपों से अधिक पड़

पड़ना पर का थोड़ा भाग

पटुहा मुत्तर-बेरी शाख

पण परम्पु

परमख सौरभ सुगन्ध

परबा पूर्ण की इया

परतख प्रत्यक्ष

परभावी प्रभावी रागिनी

परति प्रांत

पखण्डो पिछकना, बमकना

पलीक पानीघर

पलू सप्यो पुचकारना



पंगरवी	चंडुरित होती
पाख	पाकिरा प्रमा
पांत	पंक्ति
पांती	बारी
पाथर	पत्थर
पाबू	भेक सिद्ध पुरुष
पासपार	( ता ब्राह्म की सीमा )
पाखर	बर्षा का
पाखी है	खरीदी है पाखी है
पाखो	मादियों के पत्ते
पाखो	शक्ति
पाबग	आटे के मोटे बोल
पिछवा	पछिमी हवा
पिचना	तंग होना, गेंद छाने का कार्य
पीच	चिड़िया
पीदा	घड़े के नीचे का एक भाग
पीप	फोंगों में एक पीचा होता है जिसे छक्के काटे हैं
पोवरकंध	मोटे कंधों वाले
पुम	पुख
पुरसबो	परोसना

पुम्	पक्ष समय
पूम्पा	पुंघे
पूचो	हाथ का पंहुच
पूखियां	सिद्धियों के डेर सम्पदा
पेची	पेठी, संदूक
पेचो	पाग पाड़ी
पोर्याद	गोब ( खेकने के )
पैंडो	मगै, बाघ
पोर्मा	प्याऊ, बकराआ
पोकरया	पुष्करये ब्राह्मण
पोख	घोड़ों के पैरों की आबाब
पोमचा	एक प्रकार की ओड़नी
पोरं	रक्षा
पोखी	रोटी
पंचकआयय	घोड़ों की एक जाति
पचखी	बेड़ों का मुवा
	फ
फकीरी	फकीरों के भजन
फरंछ	एक वृक्ष

घाँक	फर्र आदि का बम्बा	बाँठ	सूके मेढ़
	टुकड़ा	बारण	छार पर
घाँके	टिकु के बच्चे	बाराबाह	बीपट
घाँफ	मम्मबाव	बार-मासकी	बारिक
घिड़कड़ा	परिगे	बारी	म्यद दुहारी
फीसणो	फट पड़ना	बतरी	बतनी
फूटर	सुन्दर	बीजो	बूसण
फूमकी	एक सफेद वस्तु जो बर्षा	बीयो	बूसण
	की गर्म से बोरों पर	बुगचो	बकुचा
	निकलती है	बुगलरी	मनुका
फेड़ो	कट	बूट	छोटा पेड़
फेस फुवाणो	फु करा करने	बेरो	कुआ
	बाही	बिक	बहसी
फेसरी	हल्की	बोको	बहुत, बहरा
फेही	पागल गीदड़	बोरो	पुराणा
	ब	बंजड़	कसर, बजाव
		बंदो	मनुष्य
बगर	फूल समूह		म
बपमंडी	खाने की कला		
बलाप बारी	छेर सजा छेर	बलारी	बल मरने की कोठी
बलापी	बमारों की एक जाति	भगुला	भगुला
बांगर	बागरी की एक जाति	भटुक	इमर-इमर फिरती हुई

मयाची	पढ़ायो
मरसावै	प्रतिष्ठा नि पैदा करे
भासछ	छैट के बाबो और
	झन से बसा मोटा
	कमल
भास छटना	पौ छटना, मछ
	सुइव
भय	एक रज्ज-कर
भासकरो	सागनेछ
भांड	बहुविधिया
भांडी	निहा की कविता
भातो	भोजन बाज
भयूर	बड़ादुर
भयूरत	भयभारत
भियभिरी	भनभन करती है
भिंगो	एक मुनइका कीट, उसके
	भरन पर बाइकिपां बससे
	गुदियां सजती हैं
भीड़	कड़
भीरी	साथी किताबी
भुरख	एक कविदार पास

भुरख	नीचे से निकलने वाले
	बड़े बाइक
भुरख	मोकनेबाइक
भुरिया	गोबर के गिरी कोड़े
भुरे मेख	कुछीस, भुरे रूप का
भुर-भुर	बनबोर राख
भुरी	सपेज मैस
भुरोको मट्ट	सूजा, बहरम बन
भुरो	साब
भुरी	रागिनी बिरोध
भुर	बहुत
भुरा	पुजारी

म

म	मच्छर के समान गरीब
	छोमने का बहिय की
	तरफ कमलने-छाने जाना
मोखल	गर्मीली
मोखल	ताकत
मोख	दोखत
मोखी, मोखे	मोख
मोखो	बिचार

मया	माया, बया	मिटग्री	मिट गयी
मज्जाप्य	मस्तिन शुष्क	मिथुमिथिषा	छोटे-छोटे
यां कर	मांस कर अन्तर होकर	मिरका	लकड़ियों का ढेर
यांर्यां	मस्तिर्यां	मिस्रोकी	मिस्सी ( रोटी )
म्याइछा	प्रभात समय आकरा	मीचखो	मू बना
	मे किरणों से फैली	मुजरो	प्रणाम
	हुई शासक जम्बी कहें	मुरवा	छोटे डींग, मगरे
माजन	महाजन	मुरबावा	मर्वावा
मान्ने	मन्थ	मुरट	करीब बीसे पास का
माहा	एक प्रकार के जाने		एक पीसा
मांटी	मद	मुइसेख.	मुसकने वाले
माइय	बनाने वाली		ईसमुख
माघ	बेचक	मूडा	मुसड़े, मुइ
माव	मसने हुए थोठों का ढेर	मूखपट्टो	मीठी चाति का मरीचा
मामासूणी	एक पीसा जिसके	मुमल	एक रूप-वर्णन का गीत
	चरपरे पत्ते बबे	मूलां	फोर्गा
	छाते हैं	मुषा सा	कमजोर
मामोखिया	बीरबहुती	मेकी	भटारी
म्यां-म्यां	मिमि पाना	मैय	मोम
म्यारु, मिषतम, मिषतमा, मरुधर		गुईरा	सुरत, आकृति
	का बाची	मैसू	मेम से मिसने वाले
मिबर्ही स्पाद	बेस्वाद	मेइवयाक	बर्ष के पूर्व जाने

बाते पतिंगे

कम्बे टीचे

गंगा

बहुत

करेला

मोती से बड़े बाने

प्यारा

मसले हुए बाने

अपनी सुरी

मंत्र सजाह

१

रकुमर्षि गुरुब्रह्मगुहा होते हैं

रख सेत कुं

रचनाली रतमारी

रुमिख मित्र-शुभकर

रात्र काल

राकशी राखी

रात जगावखो रात भर जागरण

करमा

रात्र काट से बना एक पेय

राम भयावखो काम के समय

जोरीछे गली

का गान

बाजना मिताना

रिगल आयम्-पूर्व मन्त्रक एम

रिगल्यो भीसों की बोली

रिगपान्न रक्षा

रिगल वृत्ति बीबिका, पन

रिगली मोहित हुई

रीम बाल

रीम अकपके अककिने (फूट)

रीम ठंडी पवन

रुगल रक्त

रुगल काल

रुगल अतु

रुपना मंडी

रुगल भतकला

रुगल बाल

रुमा रुमा रोम-रोम में

रेख रेखा ककीर

रेख रात

रेख रंग की पवित्र रेख

रेखी रात्रि

रेखा शुसंगन ( भगवान की  
 क्या  
 रेखा पबक, मेक बकरियों  
 का समूह  
 रोड़ियो मैला  
 रोब रुन  
 रोल् रब, मत्राक  
 रोस पोरुम  
 रोहण रोड़ियो नक्षत्र, जिसमें  
 कड़ाके की गर्मी पड़ने  
 से वर्षा अच्छी होती है  
 रोही बंगल  
 रब एपट्ट फिसलान  
 रपी बनी, पकी  
 स  
 सखर जानकर, बैरकर  
 समूह का बजाव, सगवारीत  
 कटीछयो लीबना  
 सखर परिवार समूह  
 सरो कहरार रंगी दुई  
 बोड़मी  
 सादे बोरे

सखी साज रुपये की  
 चपड़ी की  
 साग सागत लखे  
 सहाग दे शीक कर  
 सावे मिले  
 सांपड़ी एक घास  
 सार पीछे  
 साब, कुप से पानी निकलने  
 का बमड़े का रस्सा  
 सासुडा फोग की हरी ठहमिया  
 ( हरे नासु )  
 सितमी सलियाम की धूख  
 सद्मी (सम्मान सूचक)  
 सीरथं फरि पत्रों के टुकड़े  
 सील मील, रंग  
 सीबो हरा घास  
 सुकावो दियावा  
 सरी एक रोस ( चूरी )  
 सूको लोमड़ी  
 सूठी सहरासल  
 सरी सरसी के दिनों की ठंडी  
 बायु

छोटकी	छूने की का तरह
	एक मिट्टी का बर्तन
छोर	हस्के बादल
छोड़की	ऊनी शाख

व

बधेरना	फैलाना
बगना	बढ़ना
बड़गोष्ठण	बड़े पुस्त की की
ब्रह्म	बृष
बटूला	परिपूर्ण
बखराव	बृष समूह
बनराजा	सिंह
बनोरा	बनोरी में गाने के सीत
बरखा	बर्षा
बरण	रंग
बरसातो	बर्षा ऋतु
बलबली	भूमलक्षी बलती राख
बायल	घर के आगे की जगह
बागद	महदेरा
बादल	प्यार ( वास्तव्य )
बांधी	एक भाति के बमार

बासी	बोबे
बित	घन
बिबरूप	बिब्रप, मयंक
बिषना	बिषाता, जलमी
बिरभ विनायक	गणेशादि की
	प्रार्थना, वैवा-
	हिक गीत
बिबलो	ज्वाल
बिबाबो	मत्तबाध
बिबोबे	ममता है
बिसाखी	बिबाम
बिसारखे	मुलाने
बीज, बीजल	बिबली
भूरा	बहुल
बेग	बोर
बेग	तुरल
बेजा	कपड़ा बुनना
बेग, बेला	बेजा समक
बेबा	विषबा
बेबीबला	बागल होते हुये
बोरा	सूर पर बने बने बने
बोब-सु	दिकमिद करके

स

सगळा) तमाम  
 सखयबा सननन, बबूक कूटने  
 की भाषाबा  
 सख्यां सवियां  
 सवियां वयो सबा स  
 सवियों स  
 सरीना सबा स  
 सनेस समेरा समाचार  
 सपठ साफ, सखयबा  
 समदूषी बरात की निर्दोष के  
 समय की पहराबनी  
 समो सुसमय, सखी फसल  
 सुमिष  
 सपक्य प्रसंगा  
 सपको अनुकूल  
 सा आदर सुखक प्रत्यय  
 ( शाद सादर )  
 सांग सांग  
 सागळ असली बही  
 साबसाब सखमुख

सांचो  
 साबम  
 सांव  
 सांतरा  
 त्याव  
 साब  
 सापडते  
 सापुरप  
 सामे  
 सामो  
 सापर  
 सामथय  
 सार  
 साद,  
 साबक  
 साबकी  
 सांबकी  
 साबो  
 सांसर  
 सास सवूता  
 सांसा

सबा  
 सम्मान, प्रियतम  
 सांव ( रस )  
 सुन्दर, बहिषा  
 समय  
 माद  
 साबात  
 सत्-पुरुष  
 खिचे, भाये सम्हाळे  
 समने  
 बीर, गम्भीर  
 की प्रियतम  
 सांपरा  
 साकी  
 सक्ती  
 व्याधी हुई, रूप देने  
 बाकी  
 कमी  
 सवूत  
 पट्ट  
 सास के सत्यत्र  
 पति  
 बिम्बा



सम	पादशाह, सेठ	सैफी	ठंडी
सिक्करो	बाग	सुमाधिक	स्वामिक
सिक्कंदरी	सरहरी में पकी हुई	सुरंग	स्वर्ग, बमरपुर
सिक्कर	बोफर	सुरंगी	मनोहर
सिया	अफ़्ज	सु बुरी	समाता है
सिष्ट	बाग़रे के सिद्धे	सूची	द्वि की अमुक
सिद्धियो	सब एक पीया	सूक्तो	सूक्त गद्य
	जिसके तारों से	सूय	राकुन
	रस्सी बनरी है	सूयी	तक
सिधण	सिब की	सुब न्यू	बाग़द एका बनयी
सिरे	अस	सुबो	सम्प सीबे
सिरेको	अस की सिद्धी तोड़ना	सुमो	सुनघान
सिबबाफी	बीकमेर का एक	सुभो	सन्नेह
	प्रसिद्ध रत्नाम	सुरका	सुभर
	(सिबबाफी)	सुरग्य	सूरसगर
सिमु	बाग़द	सूरिबो	बहिमोत्तर की हवा
सीक्या	सिबागे	सेडल	सीतहा
सीबी	तकबीर	सेंटी	समेह
सीपार्क	बाड़े में	सेमाबी	मिछमी
सीर	सम्बन्ध साका	सेह	एक कबिदार
सीरो	हनुवा		जानवर
सीरी	सागी	सेंचकण	प्रकार-बब
सीख	भीगी हुई, अच्छा स्वाद		

सब्ब	सुखम
सैयमनाबो	एक बैबाहिक रसम (शिम को म नामा)
खोल	चाप
खोख्यो	मुखा देना, पी केना
खोधी	मित्र
खोग	शोक
खोरलो	फिहर
खोरा	मुखी
खोबन	सुबण, मुनाबरा
खंखोगखी	खंखोमिनी
खंठोखणो	सतुण करना
खंठोला	संठरा
खस्करली	संस्क्रति, पुरानी रीति

ह

हररको	एक खख
हस्य	हाम
हवाभी	मित्री के हकट्टा होने का स्थान
हरखस	हरिपरा, भद्रम बीबाइ
हपय	हरिदासी की धोरम

हस्त	पसकर
हलफख	ताबजा
हवद	होज
हाक्या हाक्या	हखधपक्या
हांगो	हामत, साइस
हाटा	मुकामे
हाबना	हभर हभर भटकना
हाला	बामे ( प्रत्यय )
हाम्यां	पलने से
हासी	हसबाहा, किसान
हास	पलता है
दिक्की बाही में आपी हुई, पागल	
दिखदियाखो	घोड़ की बोली
दिम्दबाण	दिम्दूपन, दिन्दुरपान
दिबोला	दिसोरे
दीडो	सेवा
हीडा	मूला
हुसराखो	धनाहमा हुससाना
	हुसराणा
हु-हु ह	विषार की बली

हवा	बर्बडग, घाँची	हेलो	पुकार, आवाज
हूँ हूँ	हॉफने का शब्द	हेली	हरेली, माहल
हैर	क्याम, डार	होवाहोली	होव लग्नकर, देवा
हैब	प्रेम, वास्तव्य		हैली

---

